छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2009/36148

डाक पंजीयन क्र. 045/Surguja Dn/2024-26

www.cgfrontline.com

वर्ष - 17 अंक - 261 अम्बिकापुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

स्कूलों में फर्नीचर के नाम पर 67 लाख डकारने के मामले में 20 हजार पन्नों का चालान पेश

शिक्षा विभाग का महाघोटाला: सेवानिवृत्त डीपीसी सहित10 हैं आरोपी

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। अविभाजित सरगुजा जिले में बच्चों के बैठने के लिए आए फर्नीचर के पैसे को अफसरों और सप्लायरों ने मिलकर हड़प लिया। 15 साल पुराने इस चर्चित राजीव गांधी शिक्षा मिशन फर्नीचर घोटाले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो/एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर ने बड़ी कार्रवाई की थी। ब्यूरो ने 12 अक्टूबर, सोमवार को 10 आरोपियों के खिलाफ लगभग 20,000 पन्नों का चालान विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) अंबिकापुर में पेश किया है। सभी आरोपियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1)(डी), 13(2) और भारतीय दण्ड संहिता की धारा 120-बी, 409 और 420 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

इतनी राशि का किया गया कुल गबन

फर्मवार गणना में बिना आपूर्ति के 56,84,848 रुपये, वैट की राशि 9,47,938 रुपये और निरीक्षण शुल्क 1,15,222.28 रुपये, कुल 67,48,008.28 रुपये का गबन होना पाया गया है। चालान में प्रधान पाठकों के प्रमाणपत्र, खरीदी और भुगतान के अभिलेख और फर्जी फर्म से जुड़े दस्तावेज शामिल किए गए हैं।

फर्जी फर्म का खेल

विवेचना में सबसे शातिर खेल सामने आया। एस.पी. पाण्डेय ने 18 फरवरी 2011 को दर्शन फेब्रिकेटर, रायपुर के संचालक सुरेश कटारिया के नाम जारी क्रय आदेश उन्हें देने के बजाय आकृति प्रिंटिंग प्रेस अंबिकापुर के संचालक संजय पटेल को दे दिया और उसे दर्शन फेब्रिकेशन के नाम से बैंक खाता खोलने कहा। संजय पटेल ने ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स अंबिकापुर में उसी नाम से खाता खोलकर 28 मार्च 2011 का चेक क्रमांक 625255, राशि 22,91,909 रुपये जमा कर पूरी राशि निकाल ली। आरोप है कि असली फर्म की जगह फर्जी फर्म बनाकर भुगतान कराया गया।

आबंटन के बाद ऐसे हुआ घोटाला

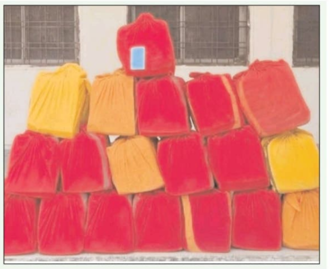

वर्ष 2010-11 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत अविभाजित सरगुजा के मिडिल स्कूलों में फर्नीचर खरीदी के लिए शासन ने 2.70 करोड़ रुपये का आवंटन दिया था। जिला कार्यालय राजीव गांधी शिक्षा मिशन अंबिकापुर ने तत्कालीन कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक के अनुमोदन से सीएसआईडीसी की दरों पर 10 फर्मों को 2 करोड़ 68 लाख 18 हजार 838 रुपये के क्रय आदेश जारी किए। 28 मार्च 2011 को जिला मिशन संचालक और जिला परियोजना समन्वयक के संयुक्त हस्ताक्षर से चेक जारी हुए। आदेश में साफ था कि 20 दिन के भीतर स्कूलों में फर्नीचर पहुंचाना है। हकीकत कुछ और थी। कलेक्टर सरगुजा ने तीन सदस्यीय समिति बनाई, जिसने 3 जून से 12 जून 2013 तक जांच कर 19 जुलाई 2013 को रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में भंडार क्रय नियमों की खुलेआम अनदेखी का खुलासा हुआ।

कलेक्टर का आदेश दरकिनार, बिना सत्यापन बाटे चेक

जांच में पाया गया कि, तत्कालीन कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि, फर्नीचर का भौतिक सत्यापन करने के बाद ही फर्मों को चेक दिए जाएं, लेकिन तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक एस.पी. पाण्डेय ने लेखापाल प्रवीण सिन्हा से चेक लेकर 6 अप्रैल 2011 से 9 अप्रैल 2011 के बीच ही बिना एक भी टेबल-कुर्सी पहुंचाए सभी फर्मों को चेक बांट दिए। समिति ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि यह पद का दुरुपयोग कर स्वयं और फर्मों को लाभ पहुंचाने तथा शासकीय राशि के गबन की मंशा से किया गया कृत्य था। नियमों को ताक पर रख दिया गया। फर्मों ने बिल के साथ स्कूलवार आपूर्ति की सूची और प्रधान पाठकों की हस्ताक्षरयुक्त पावतियां नहीं दीं। भुगतान के बाद भी पावतियां नहीं ली गईं। फर्नीचर की गुणवत्ता की जांच नहीं हुई, क्रय समिति से भौतिक सत्यापन नहीं कराया गया, फर्मों से अनुबंध तक नहीं किया गया और 3 प्रतिशत सुरक्षा निधि भी जमा नहीं कराई गई। वित्त विभाग के निर्देशों के अनुसार बजट लैप्स होने से बचाने के लिए अग्रिम आहरण और बिना आपूर्ति भुगतान गंभीर वित्तीय अनियमितता है।

जिला परियोजना समन्वयक को 7 लाख रुपये कमीशन देना कबूला

पूछताछ में संजय पटेल ने खुद कबूला कि उसने 7 लाख रुपये कमीशन के रूप में जिला परियोजना समन्वयक एस.पी. पाण्डेय को दिए थे और बाकी पैसे से फर्नीचर सप्लाई करने को कहा गया था, लेकिन उसने किसी भी स्कूल में एक भी फर्नीचर नहीं दिया। इसी तरह महारानी स्टील एंड अप्लायंस, रायपुर के संचालक प्रेमचन्द जैन को 28 मार्च 2011 का चेक क्रमांक 625156, राशि 11,44,349 रुपये दिया गया। राशि निकालने के बाद उनकी फर्म ने भी किसी स्कूल में आपूर्ति नहीं की। प्रेमचन्द जैन की मृत्यु 7 अगस्त 2025 को हो चुकी है। शेष आठ फर्मों ने आदेशित मात्रा से काफी कम फर्नीचर दिया।

चालान में इन्हें बनाया गया है आरोपी

चालान में तत्कालीन जिला परियोजना समन्वयक सत्यप्रकाश पाण्डेय (वर्तमान में सेवानिवृत्त) और दर्शन फेब्रिकेशन के संचालक संजय पटेल मुख्य आरोपी हैं। इनके अलावा अंबिका अलमीरा एंड स्टील फेब्रिकेटर्स के अजय कुमार अग्रवाल, सेलेनो स्टील की संचालिका ममता अग्रवाल, महामाया फेब्रिकेटर्स के बिधी सिंह कटलारिया, सूर्या स्टील एंड वुडन इंडस्ट्रीज के राजकुमार बंसल, श्री साई इंडस्ट्रीज के संदीप तिवारी, श्याम मेटल प्रोडक्ट्स के हितेश कुमार अग्रवाल, श्री श्याम इंडस्ट्रीज के रितेश कुमार अग्रवाल और पंकज फर्नीचर मार्ट के संजीव गुप्ता के नाम शामिल हैं। ईओडब्ल्यू के अनुसार सत्यप्रकाश पाण्डेय और संजय पटेल को कई बार नोटिस देकर पक्ष रखने को कहा गया, लेकिन दोनों ने जांच में सहयोग नहीं किया। आखिरकार 19 अगस्त 2026 को गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराकर दोनों को गिरफ्तार किया गया और न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबिकापुर के समक्ष पेश कर 24 अगस्त 2026 तक न्यायिक रिमांड लिया गया था।

सरकारी जमीन को निजी बनाने और त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट पेश करने पर पटवारी निलम्बित

■ मूल अभिलेखों का मिलान किए बिना जांच प्रतिवेदन तैयार करने पर कलेक्टर ने की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में शासकीय जमीन को निजी व्यक्ति के नाम करने का बड़ा मामला सामने आया है। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरण में त्रुटिपूर्ण जांच प्रतिवेदन तैयार कर शासकीय भूमि को निजी मद में दर्ज करने एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने पर हल्का पटवारी सुरेश कुमार डाहिरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। डाहिरे पूर्व में ग्राम लालमाटी, तहसील लुण्ड्रा-धौरपुर में पदस्थ था और वर्तमान में तहसील लखनपुर में पदस्थ है।

मामला खसरा नंबर 70/2 से जुड़ा है। नायब तहसीलदार, उप तहसील रघुनाथपुर के जांच प्रतिवेदन में खुलासा हुआ है कि एसडीएम धौरपुर के राजस्व प्रकरण में तत्कालीन पटवारी सुरेश डाहिरे ने बिना मौके पर गए, बिना वास्तविक कब्जेदार की जानकारी लिए और बिना मूल अभिलेखों का मिलान किए ही फर्जी पंचनामा और स्थल जांच प्रतिवेदन तैयार कर दिया। उन्होंने आवेदक के द्वारा दी गई दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर ही शासकीय मद की भूमि को निजी मद में दर्ज करने की अनुशंसा कर दी और न्यायालय में रिपोर्ट पेश कर दी। इस पर पटवारी को 11 सितंबर 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। 15 सितंबर को उन्होंने जो जवाब दिया, वह संतोषजनक नहीं पाया गया। कलेक्टर ने इस कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत निलंबन की कार्रवाई की है। निलंबन अवधि में डाहिरे का मुख्यालय तहसीलदार कार्यालय लखनपुर तय किया गया है और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

फर्जी सहमति पत्र बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश नाकाम

रामानुजनगर। सूरजपुर जिला के रामानुजनगर थाना अंतर्गत पैतृक जमीन हड़पने के लिए फर्जी सहमति पत्र तैयार करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज के समक्ष किए गए शिकायत में रामचरित्र पिता स्व. सोभई निवासी ग्राम तेजपुर ने बताया है कि उसकी पैतृक भूमि खसरा नंबर 2004/3, 2098, 807, 1072, 1850 एवं 722, कुल रकबा 2 एकड़ 10 डिसमिल को उसके भाई राम बिहारी पिता स्व. सोभई (65) और उसके पुत्र बिजेश्वर ने फर्जी सहमति पत्र बनाकर तहसील न्यायालय देवनगर में त्रुटि सुधार के नाम पर अपने नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया था। जांच प्रतिवेदन के आधार पर थाना रामानुजनगर में आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

अजगर के मुंह में था ट्यूमर, बेजुबान की जान बचाने 3 घंटे चली सर्जरी

■ स्नेकमैन को एडवांस इलाज की सुविधा नहीं मिलने पर अंबिकापुर से बिलासपुर जाना पड़ा

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। एक बेजुबान अजगर की जान बचाने के लिए इंसानियत की मिसाल देखने को मिली। मुंह में ट्यूमर होने से तड़प रहे अजगर को बचाने के लिए उसे अंबिकापुर से 250 किलोमीटर दूर बिलासपुर ले जाना पड़ा, जहां 3 घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद उसके मुंह से ट्यूमर निकाला गया। मुंह के अंदर ट्यूमर बनने के कारण उसे तकलीफ हो रही थी। 'स्नेक मैन ऑफ सरगुजा' के नाम से मशहूर सत्यम द्विवेदी ने इस अजगर (इंडियन रॉक पाइथन) का रेस्क्यू किया तो पता चला कि अजगर के मुंह में ट्यूमर है, इसके बाद उन्होंने इसे बचाने की पहल की। अजगर के मुंह में ट्यूमर होने के कारण वह कुछ खाने में भी दिक्कत हो रही थी। सरगुजा में वन्यजीवों के लिए विशेष उपचार की सुविधा नहीं होने के कारण उसे तत्काल बिलासपुर ले जाने का फैसला उन्होंने वन्यजीवों के विशेषज्ञ चिकित्सकों से चर्चा के बाद लिया।

बिलासपुर में वन्यजीवों के उपचार के विशेषज्ञ डॉ. पीयूष दुबे ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया। करीब तीन घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। फिलहाल अजगर को निगरानी में रखा गया है और उसकी स्थिति में सुधार हो रहा है। सत्यम द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर भी इसकी जानकारी साझा की है और बताया है कि पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद अजगर को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा।

वन्यजीव प्रेमियों ने इस पहल की सराहना की है। यह घटना बताती है कि सरगुजा जैसे वन-बहुल क्षेत्र में वन्यजीवों के लिए एडवांस इलाज के सुविधा की कितनी दरकार है, जिससे 250 किलोमीटर का सफर तय ना करना पड़े। फिलहाल अजगर को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है और उसकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद वन विभाग की अनुमति से उसे जंगल में उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा।

जिले में पेंशनधारकों के बनाए जाएंगे डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में डाक विभाग के अंतर्गत इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा पेंशनधारकों के डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (डीएलसी) बनाए जाएंगे। इसके लिए डाकघरों में 70 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि डाक विभाग द्वारा जिले के सभी गांवों, ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर 'आपका बैंक आपके द्वार' के अंतर्गत शिविरों एवं अन्य माध्यमों से व्यापक स्तर पर पेंशनधारकों के डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पेंशनधारक अपने नजदीकी डाकघर, पोस्टमैन अथवा ग्रामीण डाक सेवक से संपर्क कर डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनवा सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए ईमेल अथवा मोबाइल नंबर 88811 10123 पर संपर्क किया जा सकता है।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज अमले ने 4 टीपर वाहन जब्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कलेक्टर सरगुजा के निर्देशन में खनि अमले द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 11 अक्टूबर को अंबिकापुर एवं धौरपुर क्षेत्र में खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान बिना अभिवहन पास खनिज परिवहन के 4 मामले सामने आए, जिनमें 4 टीपर वाहनों को जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान वाहन क्रमांक सीजी 29 एएच 8038 के मालिक शैलेश कुमार तथा सीजी 29 एजी 1247 के मालिक मनोज कुशवाहा के विरुद्ध अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया। दोनों वाहनों को कलेक्टर कार्यालय परिसर, अंबिकापुर में रखा गया है। इसी प्रकार वाहन क्रमांक सीजी 15 ईजे 4223 के मालिक अतुल जायसवाल तथा सीजी 15 ईई 9671 के मालिक इन्द्रदेव गुप्ता के वाहनों पर भी बिना अभिवहन पास खनिज परिवहन करने के मामले में प्रकरण दर्ज कर उन्हें जब्त किया गया है। इन दोनों वाहनों को अग्रिम आदेश तक थाना धौरपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जांच और कार्रवाई खनि अमला द्वारा लगातार जारी रहेगी।

खनिज परिवहन के इन मामलों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(4), 21(5) एवं 23 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के 22 जून 2026 को संशोधित नियम 71 के तहत कार्रवाई की जाएगी। संशोधित नियम 71(3) के अनुसार अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों में न्यूनतम 25 हजार रुपये का शमन शुल्क अथवा 2,000 रुपये प्रति टन की दर से निर्धारित राशि, जो भी अधिक हो, वसूल करने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त संबंधित खनिज का बाजार मूल्य भी वसूल किया जाएगा।

नवरात्रि के प्रथम दिवस सिद्धि विनायक मंदिर में वॉटर कूलर का हुआ शुभारंभ

■ भक्तों की सुविधा के लिए परिसर में कई स्थल पर लगाए गए नल

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां वनेश्वरी देवी मंदिर परिसर स्थित सरगुजा के पहले श्री सिद्धि विनायक मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालु मां वनेश्वरी और भगवान श्री गणेश के दर्शन के लिए पहुंचे। इस पावन अवसर पर मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए वॉटर कूलर का शुभारंभ किया गया। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वॉटर कूलर की व्यवस्था रामदेव साहू और उनकी पत्नी शकुंतला देवी की ओर से कराई गई है। साथ ही मंदिर परिसर में कई स्थानों पर नल भी लगाए गए हैं ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध और ठंडे पेयजल की सुविधा मिल सके।

बता दें कि 3 वर्ष पूर्व मां वनेश्वरी देवी मंदिर परिसर में सरगुजा के पहले श्री सिद्धि विनायक मंदिर की स्थापना की गई थी, तब से यहां श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। नवरात्रि के दौरान तो यहां आसपास के जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भीड़ के दौरान पेयजल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। मंदिर समिति ने बताया कि नवरात्रि में बड़ी संख्या में उपवास रखने वाले श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में वॉटर कूलर उनके लिए राहतकारी साबित होगा। श्रद्धालुओं ने इस पहल के लिए साहू दंपती का आभार जताया है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 14 को, 355 पदों पर होगी भर्ती

अंबिकापुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, अंबिकापुर द्वारा 14 अक्टूबर बुधवार को प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न क्षेत्रों के निजी नियोजक तकनीकी एवं गैर-तकनीकी श्रेणी के लगभग 355 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लेंगे। उप संचालक रोजगार ने बताया कि सरगुजा संभाग के शिक्षित युवा इस रोजगार मेले में शामिल होकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। मेले में भाग लेने के लिए आवेदकों को ई-रोजगार पोर्टल अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप पर रोजगार पंजीयन के साथ-साथ रोजगार मेले के लिए भी पंजीयन कराना अनिवार्य है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय की पुस्तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' में अजय चतुर्वेदी का शोध आलेख प्रकाशित

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा अंचल की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर बड़ी पहचान मिली है। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल द्वारा संपादित प्रतिष्ठित पुस्तक भारतीय ज्ञान परंपरा में अंचल के वरिष्ठ साहित्यकार एवं राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी का शोध आलेख प्रकाशित हुआ है। इस पुस्तक का प्रकाशन 'किताबवाले' नई दिल्ली द्वारा किया गया है।

पुस्तक के अध्याय 18, पृष्ठ 169 में अजय चतुर्वेदी का शोध आलेख 'भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चिंतन' (कला, संगीत, नृत्य) शीर्षक से शामिल किया गया है। केंद्रीय विश्वविद्यालय की मानक पुस्तक में सरगुजा के लोक संगीत चिंतन को स्थान मिलना पूरे संभाग के लिए गौरव का विषय है। अजय कुमार चतुर्वेदी पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित हैं। इनके द्वारा सरगुजा की विलुप्त होती लोक कला और संगीत पर गहन शोध किया गया है। उन्होंने अंचल के लगभग 70 पारंपरिक लोक वाद्यों की खोज और उनका दस्तावेजीकरण किया है। उनके ये शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत हो चुके हैं और खूब सराहे गए हैं।

दुर्लभ हस्तनिर्मित लोक वाद्यों का विशेष उल्लेख

शोध आलेख में सरगुजा संभाग में अनादिकाल से प्रचलित दुर्लभ हस्तनिर्मित लोक वाद्यों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया गया है। इसमें शिकारी बाजा (झुनका), घुमरा बाजा और पंचमुखी बाजा जैसे वाद्यों का विशेष उल्लेख है। आलेख में दर्शाया गया है कि कैसे आधुनिकता और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूर हमारे पुरखों ने प्रकृति, मानव और वन्यजीवों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए इन वाद्यों का निर्माण किया था। यह शोध न केवल विलुप्त हो रही परंपरा को सहेजने का प्रयास है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए लोक ज्ञान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षाविदों, साहित्यकारों और संस्कृति प्रेमियों ने अजय चतुर्वेदी को बधाई दी है और इसे सरगुजा की लोक संस्कृति की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति बताया है।

दोहरे हत्याकांड में पुलिस के अब तक हाथ खाली, संदिग्धों से पूछताछ

मां बेटे का रायगढ़ में हुआ अतिंम संस्कार, हत्या का जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत केशवनगर ममता कालोनी निवासी प्रभारी प्रधान पाठिका और उसके नाबालिग बेटे के अंधे कत्ल मामले में जयनगर और बिश्रामपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ हत्या का अलग अलग जुर्म दर्ज किया है।रविवार को मां बेटे दोनों के शवों का पीएम पंचनामा के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था। परिजन शव को लेकर देर रात गृहग्राम पहुंचे। सोमवार को परिजनों के आपसी सलाह मशवरे के बाद मृतिका रजनी बरेठ के ससुराल रायगढ़ में गमगीन माहौल में दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। दोहरे हत्याकांड के बाद से पुलिस अधीक्षक सहित पूरा पुलिस अमला बिश्रामपुर थाने में डटा हुआ है और संदिग्धों को बारी बारी से तलब कर उनसे पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी तक पुलिस किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। बताया जा रहा है कि मृतिका बेल टिकरी मिडिल स्कूल की प्रभारी प्रधान पाठिका रजनी बरेठ द्वारा हाल ही में बैंक से 19 लाख का लोन लेने की बात सामने आने पर पुलिस द्वारा उसके बैंक खाते की जानकारी भी निकाली है। बताया जा रहा है कि उसके खाते में अभी भी पंद्रह लाख रुपए करीब शेष हैं जबकि पौने पांच लाख रुपए उसने पुराने लोन को क्लियर करने राशि समायोजित कराई थी। रविवार को घटना स्थल पर परिजनों ने बताया था कि उसने सूरजपुर में जमीन ली थी, जिसे वह बेचकर बिश्रामपुर जमीन लेना चाहती थी। पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। इसके अतिरिक्त उसके पुरुष मित्र सहित परिचितों को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने तलब किया है। ज्ञात हो कि रविवार को शव पंचनामा के बाद मृतिका का शव पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया, यहीं उसके बेटे के शव के साथ दोनों का दो सदस्यीय चिकित्सकों की टीम ने पीएम की कार्यवाही पूरी किया है।पंचनामा के दौरान महिला के गले में निशान मिलने से संभावना जताई जा रही है कि उसकी हत्या किसी रस्सी अथवा कपड़े से गला घोंटकर उसकी हत्या की गई होगी। मृतिका का शव बाथरूम में मिलने और बाथरूम अस्त व्यस्त होने से संभावना जताई जा रही है कि घटना के दौरान उसने अपने जान बचाने काफी संघर्ष किया है। वहीं दूसरी ओर बेटे सुजल बरेठ का शव करीब बीस किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत महावीरपुर के कोरेया बाड़ी नर्सरी में पंचायत सड़क किनारे मिलने और उसके सीने, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट के निशान मिलने से किसी धारदार हथियार से उसकी हत्या करने की संभावना जताई गई है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट होने की बात पुलिस कह रही है। प्रभारी प्रधान पाठिका रजनी बरेठ का स्कूटी घर से कुछ दूर एनएच 43 पर नायरा पेट्रोल पंप के समीप मिलने पर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। पुलिस हर स्तर पर हत्यारों तक पहुंचने जुटी हुई है। घटना पर सोमवार को सुजल बरेठ के विद्यालय कार्मेल कान्वेंट स्कूल बिश्रामपुर में अवकाश घोषित कर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल खुद अपनी निगरानी में जांच को तेजी दिला रहे हैं।

करोड़ों की कालोनी में नहीं है सीसीटीवी कैमरा

लोगों का कहना है कि जिस जगह हत्या की वारदात हुई है, वह केशवगर पंचायत का क्षेत्र है। यहां पर लगातार कॉलोनी का विस्तार हो रहा है और बड़ी-बड़ी लाखों करोड़ों की इमारतें खड़ी कर दी गई है, लेकिन कहीं भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाए गए हैं, जिस वजह से भी पुलिस को हत्यारों तक पहुंचने दिक्कत आ रही है।

अभाविप ने दिया ज्ञापन

दोहरे हत्याकांड के मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिश्रामपुर इकाई ने सोमवार को पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। मामले की जांच पूरी पारदर्शिता के साथ होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। पुलिस प्रशासन घटना की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करे, जिससे लोगों का कानून-व्यवस्था पर भरोसा बना रहे। परिषद ने स्पष्ट किया कि इस तरह की गंभीर घटनाओं में त्वरित जांच और दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाना जरूरी है। परिषद ने पुलिस प्रशासन से मांग किया है कि मामले में जल्द से जल्द प्रभावी कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए।

अलग अलग घटना में मासूम समेत वृद्धा की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करंजी चौकी क्षेत्र अंतर्गत दो अलग अलग मामले में मासूम समेत एक वृद्धा की मौत हो गई है। करंजी पुलिस ने बताया है सोमवार को लोचन प्रसाद पिता नंदलाल सिंह निवासी ग्राम सोहागपुर करंजी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 5 वर्षीय हर्शवर्धन सिंह पिता फूलचंद गोंड़ निवासी ग्राम सोहागपुर का गांव के 1-2 बच्चों के साथ ग्राम में स्थित शिव मंदिर रेण नदी में नहाने गए थे, जो नहाने के दौरान मासूम नदी के गहरे पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई है। सूचना पर परिजन व ग्रामीणों द्वारा मासूम के शव को नदी के पानी से निकाला गया। वहीं एक अन्य मामले में प्रार्थी बृजेश कुमार देवांगन निवासी ग्राम पंचायत खरसुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सोमवार की दोपहर करीब 1.30 बजे उसकी दादी 65 वर्षीय मानमति मानिकपुरी घर के नाली से लगे दिवाल के किनारे बैठकर गुड़ाखू कर रही थी, उसी समय अचानक दिवाल वृद्धा के ऊपर गिर गया। जिससे दबने के कारण वृद्धा को चोट लगने पर ईलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करंजी ले गए थे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल सूरजपुर रेफर कर दिया था।

इसी बीच वाहन की व्यवस्था में विलंब होने पर वृद्धा की दोपहर करीब 3 बजे मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दिया है।

कोयलांचल में हर्षोल्लास से मना महाराजा अग्रसेन जयंती

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अग्रवाल समाज के आराध्य एवं समाजवाद के प्रणेता भगवान महाराजा अग्रसेन की जयंती बिश्रामपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ढोल-नगाड़ों एवं आतिशबाजी के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जयंती समारोह अंतर्गत गत कई सप्ताह से आयोजित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुभाष गोयल, खजान जिंदल, सत्यपाल तायल, बाबूलाल दनोदिया, राजू गोयल, अशोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल पोत्री एवं ललित गोयल उपस्थित रहे। मंच पर अशोक जिंदल, नपं शिवनंदनपुर उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, अग्रवाल नव जागृति समिति के अध्यक्ष संभव जिंदल एवं हर्ष दनोदिया सहित महिला मंडल की अध्यक्ष भावना मित्तल, अनीता गोयल सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि सुभाष गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को अपनाने तथा समाज में एकता, सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत बनाने का आह्वान किया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए ललित गोयल ने महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके आदर्शों और समाज के प्रति उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को अन्य कई अतिथियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रवाल नव जागृति समिति के अध्यक्ष संभव जिंदल, हर्ष दनोदिया एवं उनकी पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा। वहीं महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती भावना मित्तल, श्रीमती अनीता गोयल, श्रीमती उमा दनोदिया एवं उनकी पूरी टीम ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

समारोह ने समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे, एकता और सेवा भावना का संदेश दिया। महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को आत्मसात करने तथा उनके बताए मार्ग पर चलने के संकल्प के साथ जयंती समारोह हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

बेटी और नाती को लेने पहुंचा दामाद, सास को दी जान से मारने की धमकी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोरेया आमापारा में पारिवारिक विवाद के दौरान सास को तलवार से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत कोरेया आमापारा निवासी 60 वर्षीय पीड़िता फुलेश्वरी ने अपने दामाद रामेश्वर निषाद पर गाली-गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने और तलवार लेकर डराने का आरोप लगाते हुए जयनगर थाने में लिखित शिकायत दी है। घटना 12 अक्टूबर की सुबह की बताई जा रही है। थाने में दिए गए आवेदन के मुताबिक फुलेश्वरी की बेटी फुलकुंवर की शादी करीब पांच वर्ष पहले ग्राम पंचायत कंठी के कंवरपारा निवासी रामेश्वर निषाद के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। दंपती का दो वर्षीय बेटा देवेंद्र है। फुलेश्वरी का आरोप है कि उसका दामाद शराब पीकर अक्सर उसकी बेटी के साथ मारपीट करता है। इसी वजह से उसकी बेटी करीब छह महीने पहले अपने बच्चे के साथ ससुराल छोड़कर मायके ग्राम कोरेया आमापारा में रहने लगी है।शिकायत में बताया गया है कि रामेश्वर निषाद कई बार अपनी पत्नी और बच्चे को लेने के लिए सास के घर पहुंच चुका है। वह अपने बेटे देवेंद्र को साथ ले जाना चाहता है, लेकिन उसकी पत्नी फुलकुंवर बच्चे को भेजने से इनकार करती है। इस पारिवारिक विवाद को बातचीत से सुलझाने के लिए फुलेश्वरी ने अपने दामाद को सलाह दी थी कि वह अपने घर के बड़े-बुजुर्गों को लेकर आए और आपसी बातचीत के बाद पत्नी व बच्चे को साथ ले जाए।

पीड़िता के मुताबिक इस बात को लेकर दामाद नाराज होकर शराब के नशे में गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देता था।फुलेश्वरी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि 12 अक्टूबर की सुबह करीब छह बजे रामेश्वर निषाद तलवार लेकर उनके घर पहुंच उसने अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और तलवार से हमला करने की बात कहकर उनकी ओर दौड़ा। अचानक हुए इस घटनाक्रम से भयभीत होकर उन्होंने घर का दरवाजा बंद कर लिया। इसकी शिकायत पर जयनगर पुलिस ने आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया है।

राखड़ और कोयले की धूल से परेशानी, अनिश्चितकालीन चक्काजाम कल से

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राखड़ और कोयले के परिवहन से फैल रहे धूल-प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं की आशंका तथा आम नागरिकों को हो रही परेशानियों के विरोध में युवा कांग्रेस ने आंदोलन का ऐलान किया है। युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह सोमु ने 14 अक्टूबर को बिश्रामपुर नगर पंचायत क्षेत्र स्थित एसईसीएल आवासीय कॉलोनी से भटगांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम एवं विरोध प्रदर्शन करने की पूर्व सूचना कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पिछले करीब दो महीने से लगातार शिकायतों के बावजूद समस्याओं के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि क्षेत्र में राखड़ और कोयले के परिवहन के दौरान उड़ने वाली धूल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। सड़कों पर जमा राखड़ और कोयले की धूल के कारण

वातावरण प्रदूषित हो रहा है, वहीं भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। उन्होंने विशेष रूप से शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। इसके अलावा स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भी धूल तथा भारी वाहनों के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि एसईसीएल की आवासीय कॉलोनियों और भटगांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर जगह-जगह राखड़ एवं कोयले की धूल जमा होने तथा परिवहन के दौरान धूल उड़ने से आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य, विद्यार्थियों की पढ़ाई और दैनिक आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। युकां नेता का कहना है कि भारी वाहनों का अनियंत्रित आवागमन आम लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। क्षेत्र में पहले भी अप्रिय घटनाएं होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रशासन से परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित बनाने और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। अभिषेक सिंह सोमु के अनुसार राखड़ और कोयला परिवहन से जुड़ी समस्याओं के संबंध में प्रशासन को कई बार मौखिक एवं लिखित रूप से अवगत कराया गया है। बावजूद इसके समाधान नहीं होने से क्षेत्रवासियों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने सोमवार को जारी पत्र के माध्यम से कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को सूचित किया है कि यदि समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो 14 अक्टूबर से एसईसीएल आवासीय कॉलोनी के भटगांव मुख्य मार्ग पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम एवं विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में पचिरा टीम बनी विजेता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल महा मुकाबला में देशी ब्याज पचिरा की टीम ने रोमांचक मुकाबले में विजेता का खिताब हासिल किया। स्पर्धा के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े, देवधन राम बिंझिया, शोभनाथ राजवाड़े, देवशरण सिंह, विनोद शाह, जयनगर सरपंच राधा बाई, जनपद सदस्य धनेश्वरी सिंह, राजेन्द्र गवंटिया, बीडीसी प्रतिनिधि निकुंज बिंझिया, राजनाथ सिंह, बंधु राम, छत्रपाल सिंह उपस्थित रहे। फाइनल मुकाबले की शुरुवात अतिथियों द्वारा खिलाड़ीयों से परिचय उपरांत टॉस कराकर किया गया। फाइनल मुकाबला ब्याज क्लब कोरेया और देशी ब्याज पचिरा के मध्य खेला गया। दोनों ही टीम ने जीत के लिए जबरदस्त संघर्ष किया और अंत में देशी ब्याज पचिरा टीम ने 45 अंक प्राप्त कर विजेता का खिताब हासिल किया और ब्याज क्लब कोरेया

टीम ने उपविजेता का खिताब हासिल किया। ज्ञात हो कि यह प्रतियोगिता 1 अक्टूबर से 11 अक्टूबर को कराया गया। स्पर्धा में 32 टीम ने भाग लिया था। समापन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम करमा, बायर, सुगा व छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े ने दिया। मुख्य अतिथि मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े ने संबोधित करते हुए विकसित भारत संकल्प अभियान को विस्तार से बताया। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर चल रहे कार्यक्रम को भी विस्तार से बताते हुए नशा मुक्ति अभियान, खूब खेलबो- नशा ले दूर रहिबो थीम को बताते हुए युवाओं को नशा से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कई परिवार नशा के कारण बिखर रहा है। साथ ही पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को मोबाइल से दूर रहने आह्वान किया। अंत में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपए नगद व उपविजेता टीम को 7 हजार रुपए नगद व शिल्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले टीम को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सुरेश सिंह, कृष्णपाल बिंझिया, किरणचंद सिंह, ब्रम्हदेव बिंझिया, मोहर साय, देवेन्द्र सोनवानी, लाल साय, कमल साय सिंह, बंटेश्वर सारथी, कांशीराम, असलम खान, श्रीमती जीरो बाई, श्रीमती एकरी देवी, श्रीमती देवंती सिंह, गायत्री सिंह, बाल कुमारी, रजवंती सिंह, घलम राम, रम्हाई राम, गणेश सिंह, सिरमनिया सिंह, अंतर साय, नीरज, मनोज, विरेन्द्र, ओम कुमार, राजू राम, मिलन, राम राज, रूकमणि, शिव कुमार, धूरपेत, देवती, उन्ती बाई, मनिया बाई, उर्मिला, मतिया, सुरजो, सुखमनिया, सुरपेत, दुलेश्वर, भोला सिंह, आनंद राम उपस्थित रहे।

पंडोनगर में 235 ग्रामीणों का किया गया निःशुल्क उपचार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत पंडोनगर में राष्ट्रपति भवन में सोमवार को विकासखंड स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के छायाचित्र पर उनके दत्तक पुत्र बसंत राम द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत पंडोनगर समेत आसपास गांव के करीब 235 मरीज पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। साथ ही यहां पर लोगों को निःशुल्क दवा भी वितरण किया गया। ज्ञात हो कि इन दिनों मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से स्वास्थ्य पर खासा असर देखने को मिल रहा है।शिविर को सफल बनाने में अजबनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सक व अन्य स्टॉप सक्रिय रहे।

नवीन शासकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। नवीन शासकीय महाविद्यालय रघुनाथनगर में आज सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. भूपेंद्र नाथ तिवारी के नेतृत्व में किया गया।

हेलमेट के उपयोग पर दिया जोर

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण यातायात नियमों की अनदेखी और हेलमेट न पहनना है।संस्था कार्य सहयोग प्रभारी श्री रेवती प्रसाद एवं प्राध्यापकों ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक हेलमेट न केवल चालान से बचाता है, बल्कि जीवन बचाता है। युवाओं को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, सीट बेल्ट और गति सीमा का पालन अनिवार्य रूप से करना चाहिए।

विद्यार्थियों ने ली शपथ

कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, हमेशा हेलमेट पहनने और दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ ली। सभी ने सुरक्षित यातायात के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रवीण मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पहल विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रही।

कौन्तेय अकादमी के विद्यार्थियों ने श्रमदान कर चमकाया यात्री प्रतीक्षालय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रतापपुर। कहते हैं बदलाव की उम्मीद तो सभी करते हैं, लेकिन जिम्मेदारी कोई-कोई ही उठाता है। ऐसी ही जिम्मेदारी उठाई है कौन्तेय अकादमी प्रतापपुर के छात्र-छात्राओं ने। अकादमी के विद्यार्थियों ने थाना प्रतापपुर के ठीक सामने स्थित यात्री प्रतीक्षालय की हालत देखकर स्वच्छता अभियान चलाया। लंबे समय से यहां कचरा, गुटखा-पीक और धूल जमी थी, जिससे राहगीरों को बैठने में भी परेशानी होती थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता के संदेश को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों ने खुद झाड़ू उठाई और श्रमदान से पूरे प्रतीक्षालय को चमका दिया।

सफाई सिर्फ प्रशासन की नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी

विद्यार्थियों ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों को साफ रखना सिर्फ प्रशासन का काम नहीं है, यह हर नागरिक का कर्तव्य है। उनके इस प्रयास ने यह संदेश दिया कि छोटी-छोटी पहल से ही बड़ा बदलाव आता है। इस अभियान में स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद जीशान खान के साथ कौन्तेय अकादमी के शशिकांत यादव, अजय श्याम, प्रतोष, अंशु देवांगन, लीलावती, कविता, नीतीश, अंकित, संतोष सहित कई छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

पीएम स्वनिधि योजना का लाभ दिलाने शहीद भगत सिंह वार्ड में लगा शिविर, पार्षद दीपक यादव ने दिलाए आवेदन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ वार्डवासियों तक पहुंचाने के लिए शहीद भगत सिंह वार्ड में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। वार्ड पार्षद दीपक यादव के नेतृत्व में आयोजित शिविर में लोगों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों के मौके पर ही आवेदन फार्म भरवाए गए।

15 हजार से 50 हजार तक का ऋण

पार्षद दीपक यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडर्स और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह योजना चला रही है। योजना के तहत पात्र लोगों को बैंक के माध्यम से बिना गारंटी के ऋण दिया जाता है -प्रथम चरण में 15,000 रुपये, द्वितीय चरण में 20,000 रुपये, तृतीय चरण में 50,000 रुपये तक का ऋणइस ऋण से छोटे व्यवसायी अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं या मौजूदा व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं। समय पर ऋण चुकाने पर सब्सिडी और अगली किस्त में अधिक राशि का लाभ भी मिलता है।

कोई पात्र वंचित न रहे - पार्षद

पार्षद दीपक यादव ने कहा कि शिविर का उद्देश्य वार्ड के जरूरतमंद लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर से बचाकर एक ही स्थान पर योजना का लाभ दिलाना है। हमारा प्रयास है कि शहीद भगत सिंह वार्ड का कोई भी पात्र हितग्राही योजना से वंचित न रहे। अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है। शिविर में बड़ी संख्या में वार्डवासी, छोटे दुकानदार और स्ट्रीट वेंडर्स उपस्थित रहे।

आत्मानंद स्कूल केशवपुर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, टेली-मानस हेल्पलाइन की दी जानकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर।स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय केशवपुर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अवसर पर कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक कल्याण और तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था।

तनाव के लक्षण और प्रबंधन पर चर्चा

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम से वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी (मनोचिकित्सा) श्रीमती सृष्टि चौरसिया, सुश्री प्रीति दास और मनोचिकित्सकीय सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमित्रा बुनकर ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया।विशेषज्ञों ने बताया कि आज के समय में विद्यार्थी पढ़ाई, परीक्षा, सहपाठियों के दबाव और सोशल मीडिया के कारण तनाव में आ जाते हैं। उन्होंने तनाव के लक्षणों - चिड़चिड़ापन, नींद न आना, ध्यान न लगना - को पहचानने और उससे निपटने के उपाय बताए।

गुब्बारा गतिविधि बनी आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए गुब्बारा गतिविधि जैसी इंटरैक्टिव एक्टिविटी कराई गई, जिसके माध्यम से बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानना और व्यक्त करना सिखाया गया। बताया गया कि समय का सही प्रबंधन, सकारात्मक सोच, 7-8 घंटे की नींद और अपनी समस्या को माता-पिता या शिक्षक से साझा करना सबसे बड़ा समाधान है।

24X7 टेली-मानस हेल्पलाइन

स्वास्थ्य विभाग ने विद्यार्थियों को टेली-मानस की निःशुल्क हेल्पलाइन 14416 और 1800-891-4416 के बारे में बताया। अपील की गई कि मानसिक परेशानी को छिपाएं नहीं, बल्कि बिना झिझक मदद लें।प्राचार्य ने कहा - भावनात्मक स्वास्थ्य भी जरूरीप्राचार्य सुश्री शशि असाटी ने कहा कि केवल अंक लाना ही काफी नहीं, भावनात्मक रूप से मजबूत होना भी सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने बच्चों को एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील रहने की सलाह दी। व्याख्याता अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान में इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संतुलन विकसित करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में संकुल समन्वयक विश्वजीत पाठक, विद्या शर्मा, सतीश भाई पटेल, आयुषी गुप्ता, रोहित कुमार नायर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। अंत में श्रीमती जेस्सी एम्ब्रोस ने आभार व्यक्त किया।

सीसी रोड की आड़ में रेत का खेल, ग्राम धुर में भारी मात्रा में बालू स्टॉक, खनिज विभाग पर उठे सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

ओड़गी। ब्लॉक मुख्यालय से महज 8 किमी दूर ग्राम पंचायत धुर में सीसी रोड निर्माण की आड़ में अवैध रेत भंडारण और सप्लाई का बड़ा मामला सामने आया है। भारी मात्रा में जमा बालू के स्टॉक को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और खनिज विभाग की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक ग्राम धुर में सीसी रोड के नाम पर बड़ी मात्रा में रेत का स्टॉक किया गया है। आरोप है कि इस रेत की व्यावसायिक सप्लाई भी की जा रही है।इस पूरे मामले में भाजपा नेता का नाम चर्चा में है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि बाकी है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इतनी बड़ी मात्रा में रेत के भंडारण और परिवहन के लिए खनिज विभाग से वैध अनुमति ली गई है? यदि अनुमति ली गई है तो क्या रॉयल्टी, परिवहन पास और पर्यावरण नियमों का पालन हो रहा है? ग्रामीणों का कहना है कि बिना अनुमति के ही दिन-रात ट्रैक्टर-ट्रालियों से रेत की ढुलाई हो रही है।क्षेत्र में पहले से ही भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और पानी की किल्लत बनी हुई है। ऐसे में रेत के अवैध भंडारण और संभावित अवैध उत्खनन से नदियों और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।मामले को लेकर जब खनिज विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।इससे विभाग की कार्यप्रणाली पर और सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों में चर्चा है कि सत्ता पक्ष से जुड़े होने के कारण इस अवैध कारोबार पर आंखें मूंदी जा रही हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि कलेक्टर और खनिज विभाग की टीम मौके पर जांच कर रेत के स्रोत, भंडारण अनुमति और परिवहन दस्तावेजों की जांच करे और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे।

गांधी स्टेडियम में संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता जारी

कोटया और धरमपुर ने जीते मैच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 में कल दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। जिसके पहले मैच में पोड़ीपा और कोटया तथा दूसरे मैच में धरमपुर और अडची का मुकाबला हुआ।पहला मैच पोड़ीपा बनाम कोटया के बीच खेला गया। कोटया की टीम ने शुरू से ही शानदार तालमेल दिखाया। प्रथम हाफ में ही लगातार दो गोल कर टीम ने 2-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी कोटया का दबदबा रहा और अंतिम समय में एक और गोल कर टीम ने 3-0 से जीत दर्ज कर ली।दूसरा मैच टूनामेंट के सेकंड राउंड का था, जो धरमपुर बनाम अडची के बीच हुआ। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बराबर का खेल दिखाया और गोल करने की कोशिश की, लेकिन हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में धरमपुर ने एकतरफा दबाव बनाया और अंतिम क्षणों में निर्णायक गोल कर 1-0 से मैच अपने नाम कर लिया।आज के मैच में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी अमर विजय सिंह और परमेन्द्र बहादुर सिंह उपस्थित रहे। मैच के निर्णायक दिनेश तिर्की, सुशील, नीलभूषण, शिव और रामबहादुर लाम्बा रहे। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद और मंगल भी मौजूद रहे।आज सेकंड राउंड के दो मैच खेले जाएंगे जिसमें पहला मैच शंकरगढ़ बनाम बकनाखुर्द और दूसरा मैच राजपुर बनाम गुमगरा लखनपुर के बीच खेला जायेगा।

मां वनेश्वरी धाम में श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सौगात, सिद्धि विनायक मंदिर में लगा वाटर कूलर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मां वनेश्वरी देवी मंदिर परिसर स्थित सरगुजा के पहले श्री सिद्धि विनायक मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मां वनेश्वरी और प्रथम पूज्य भगवान गणेश के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।इसी पावन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया।

साहू दंपती ने की व्यवस्था

मंदिर प्रबंधन के अनुसार वाटर कूलर की व्यवस्था समाजसेवी रामदेव साहू और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला देवी के सौजन्य से की गई है। भीषण भीड़ को देखते हुए परिसर में कई स्थानों पर अतिरिक्त नल भी लगाए गए हैं, ताकि किसी भी भक्त को पेयजल के लिए भटकना न पड़े।

दूर-दराज से आते हैं भक्त

बता दें कि करीब 3 वर्ष पूर्व मां वनेश्वरी देवी मंदिर परिसर में ही सरगुजा के पहले श्री सिद्धि विनायक मंदिर की स्थापना की गई थी। स्थापना के बाद से ही मंदिर की ख्याति पूरे संभाग में फैल गई है। वर्षभर यहां दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है, वहीं नवरात्रि के नौ दिनों में यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है। अम्बिकापुर के अलावा सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर और सीमावर्ती क्षेत्रों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। गर्मी और भीड़ में दूर से आने वाले भक्तों को अब मंदिर परिसर में ही शीतल और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस जनहितैषी पहल के लिए श्रद्धालुओं ने साहू दंपती और मंदिर समिति का आभार व्यक्त किया है।

विजय कुमार साहू को मिला खण्ड स्रोत समन्वयक का वित्तीय प्रभार, शिक्षा विभाग के कार्यों में आएगी तेजी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखण्ड रामानुजनगर में नवनियुक्त खण्ड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) विजय कुमार साहू को आज 12 अक्टूबर को वित्तीय प्रभार सौंप दिया गया। राज्य शासन द्वारा पदस्थापना आदेश जारी होने के बाद विजय कुमार साहू ने 15 सितंबर 2026 को कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया था। हालांकि अब तक उनके पास वित्तीय शक्तियां नहीं थीं, जिससे कई प्रशासनिक और वित्तीय कार्य लंबित थे। आज वित्तीय प्रभार मिलने के बाद अब वे पूर्ण रूप से बीआरसी के दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

मनोज जायसवाल हुए कार्यमुक्त

इससे पहले इस पद पर मनोज जायसवाल कार्यरत थे। जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा उन्हें उनके मूल पद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णपुर के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया था। उनके जाने के बाद से पद रिक्त था, जिस पर अब विजय साहू की नियुक्ति की गई है। वित्तीय प्रभार मिलने से विकासखण्ड स्तर पर समग्र शिक्षा, शिक्षकों के प्रशिक्षण, विद्यालयों के निरीक्षण और अन्य शिक्षा विभागीय योजनाओं के संचालन में तेजी आने की उम्मीद है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विजय कुमार साहू को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने राजनीतिक शासन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके काल में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के लगातार निशाने पर रहने के बावजूद वे दृढ़ रहे हैं। साथ ही देश के विकास में अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और उन पर अमल कराने में सफल माने जा सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। वर्तमान में देश में दूर-दूर तक कोई नेता नहीं, जो नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े लक्ष्य तय

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

किसी राजनेता या मनुष्य की पहचान यही है कि कठिन, विकट और विपरीत परिस्थितियों में भी बिना दबाव में आए और डरे या सहमे बिना आत्मविश्वास के साथ व्यापक और बड़े लक्ष्य निर्धारित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सत्ता के जीवन का मूल्यांकन करें तो आपको दिख जाएगा उन पर यह सिद्धांत सटीक बैठता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता या संभव ही नहीं कि निर्धारित बड़े सभी लक्ष्य उस रूप में हासिल भी हो जाए। सरकार के प्रमुख होने के नाते जो लक्ष्य निर्धारित होते हैं, उनमें केवल मंत्रिमंडल ही नहीं, नौकरशाह, केंद्र से लेकर राज्य और नीचे स्तर तक सारे सरकारी कर्मचारी, मशीनरी और देश के लोगों का भी भरपूर भागीदारी और सहयोग चाहिए होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की सफलताओं के बड़े अंश का दायित्व उस पूरे संघ विचार परिवार को भी जाता है, जिसके वे स्वयंसेवक और प्रचारक रहे। दरअसल, भाजपा अन्य पार्टियों से इस मायने में भिन्न है क्योंकि पूरे संघ संगठन परिवार के लोगों के अंदर यह भाव रहता है कि यह पार्टी या तो हमारी विचारधारा और लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती है या कम से कम उसके सबसे निकट है। इसलिए जो कुछ उनके अपने अनुकूल लगता है, उसमें चरित्र के अनुरूप संगठन लग जाते हैं। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। कोई विरोधी भले नकारे, लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

जातीय अस्तित्व का कारक हो सकता है नुकसानदायक

मोदी को देश ने भारत के पहले हिंदू नेता के रूप में सिर पर बिठाया और ऐतिहासिक लोकप्रियता दी। इसे और आगे ले जाने का दायित्व उनके नेतृत्व में समूची सरकार और भाजपा का था और है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में जातीय पहचान और जातीय अस्तित्व का कारक फिर डरावने रूप में खड़ा हुआ है। अगर तुरंत सचेत होकर इससे साहसपूर्वक राजनीतिक जोखिम उठाकर बाहर निकालने और देश को निकालने के लिए व्यवहार और नीतियां नहीं हुई तो यह फिर से बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दूसरे, जब देश को 2047 तक दुनिया की बड़ी शक्तियों के समक्ष हर दृष्टि से खड़ा करने का लक्ष्य है, तब सरकार और संसद से लेकर पार्टी के अंदर उसी तरह के प्रतिबद्ध, योग्य, समझ रखने वाले और इसके लिए ही जान लगा देने वाले लोगों की संख्या होनी चाहिए। ऐसा न हो कि पार्टी के ज्यादातर नेता स्वयं को सुरक्षित करने में लगे रहें और केवल औपचारिक रूप से कार्यक्रमों में भागीदारी हो। मोदी जी और उनके निकटतम साथी गृह मंत्री अमित शाह ने जो किया वह अद्भुत है। लेकिन क्या उनके बाद की दृष्टि से भी भाजपा में ऐसी टीम खड़ी हो रही है, जो इतनी व्यापक सोच, प्रतिबद्धता और निष्ठा से केवल देश को केंद्र में रखकर राजनीति और सत्ता संचालन करें? उनके जिम्मे ये दो महत्वपूर्ण आवश्यक दायित्व हैं जिसे उन्हें अपने सेवानिवृत होने के पहले हर हाल में पूरा करना चाहिए।

लोगों के व्यवहार में आया बदलाव

कुछ उदाहरण ले सकते हैं। सरकारी नीतियों में समाज सुधार जैसे कार्यक्रम यानी स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना ,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोग सौर ऊर्जा अपनाएं और बिजली बेचें ,खेत की मेड़ों पर वृक्ष लगाएं, फुहारे वाले यानी स्प्रिंकल सिंचाई का उपयोग करें, मोबाइल का धन लेने और भुगतान में उपयोग करें,लखपति दीदी, सरकारी जमीन और आवास घर की महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने आदि-आदि। समाज के निचले स्तर पर इनके प्रभावों का अध्ययन करने वाले निष्पक्ष लोग देख रहे हैं कि क्या हुआ। यह नहीं कहा जा सकता, जैसे लक्ष्य थे, जिस प्रकार अभियान आरंभ हुआ, वैसे ही सब कुछ हो गया। लेकिन लोगों के अंदर स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सिंचाई में पानी बचाने आदि का विचार पैदा हुआ। यह भी सच है कि अनेक राज्यों में सरकारी महकमों ने लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता फैलाने और अभियान के स्तर पर इन कार्यक्रम को सफलता तक ले जाने की ईमानदार भूमिका नहीं निभाई। अगर हमारे स्वभाव में ही गंदगी है तो फिर कोई प्रधानमंत्री पूरी तरह दूर नहीं कर सकता। बावजूद यह मानना पड़ेगा कि 2014 से लेकर 2026 तक लोगों की मानसिकता, व्यवहार और इन कार्यक्रमों की परिणतियों से बहुत बड़ा अंतर आया है।

पंचायतों की भूमिका शर्मनाक

विरोधियों में नरेंद्र मोदी और भाजपा आदि को लेकर अजीब किस्म की वितृष्णा और घृणा है। वे हर कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हैं और स्वाभाविक ही उनका जो देश के नागरिक और नेता के नाते जैसा सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है। सारे विषय सामाजिक - आर्थिक क्रांति के हैं और इसमें सबकी भागीदारी चाहिए जो नहीं हो पाई है। राहुल गांधी से लेकर अनेक नेता स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन क्या उनका दायित्व नहीं था, इसमें सहभागिता करके इसे सफलता तक ले जाने के लिए परिश्रम करें? स्वच्छता अभियान तो गांधी जी के जन्म दिवस पर आरंभ हुआ और उनके डेढ़ सौ वीं जन्म शती वर्ष को ध्यान में रखते हुए। इसी तरह प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों का कलेवर बदलने के अनेक कार्यक्रम नरेंद्र मोदी सरकार ने दिए और इसी में स्मार्ट क्लास एक था। यह सफेद झूठ है कि इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अगर आप धरातल पर जाएंगे तो बहुत कुछ हुआ लेकिन फिर सरकारी महकमों और पंचायतों की भूमिका कई स्तरों पर शर्मनाक रही है। जब ग्राम पंचायत के प्रधान वहां के वार्ड मेंबर ही चोरी करने लगेंगे और उनका उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता से ज्यादा धन कमाना होगा तो कठिनाई आएगी। जहां लोग जागरूक थे, वहां परिवर्तन आए हैं।

नई शिक्षा नीति से परिवर्तन

शिक्षा सुधार की दृष्टि से नई शिक्षा नीति स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहला प्रयास है जिसमें छात्रों के बचपन से लेकर युवावस्था तक उनकी वास्तविक प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने, अनुभवों, उनके जीवन दिशा निर्धारित होने तथा भारत की विविधताओं से एक-दूसरे से परिचित होने के कार्यक्रम हैं। जहां लागू हो रहे हैं वहां धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। लेकिन जिन विरोधी सरकारों को केवल विरोध करना है और इसे भगवाकरण बताना है, वहां आप क्या कर सकते हैं। विदेश नीति और आतंकवाद विरोधी नीतियों तक का जब देश में विरोध होगा और एकजुटता नहीं दिखेगी, किसी भी प्रधानमंत्री के लिए शत प्रतिशत सफलता तक ले जाना कठिन होगा। इसके बावजूद मोदी सरकार ने पाकिस्तान के संदर्भ में सीमा पार आतंकवाद पर घर में घुसकर मारने का जो साहस दिखाया, उसे दुनिया स्वीकार रही है। जम्मू कश्मीर पहले से मौलिक तौर पर ज्यादा सुरक्षित हुआ है, किंतु अभी इसकी पूर्ण सुरक्षा और पाकिस्तान की हरकतों पर संपूर्ण नियंत्रण होना शेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को केंद्र बनाएं तो कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो वाकई चिंताजनक हैं और उन पर गहराई से फोकस कर काम करने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हर कटाक्ष से और मजबूत हुए मोदी

चुनौती
योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में एक से बढ़कर एक नेता आए। देश की सत्ता परिवर्तन करने में कई नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया और उसी कड़ी में हाल ही के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। लगातार ढाई दशक से देश की राजनीति की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं। कई बार विभिन्न तरीके के उतार-चढ़ाव आए लेकिन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए अपने वर्चस्व को बनाए रखा। राजनीति में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और सिलसिला अभी भी जारी है। भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी का उदय और उनका लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में बने रहना समकालीन लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह सवाल कि क्या विपक्ष में कोई नेता उनका मुकाबला कर सकता है, केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी परिणामों, नेतृत्व, संगठन और वैकल्पिक नीतियों के आधार पर भी समझा जाना चाहिए । नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला और दिसंबर 2012 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान गुजरात की राजनीति में उनका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया। विकास, प्रशासन, निवेश और मजबूत नेतृत्व की छवि को उन्होंने अपने राजनीतिक संदेश का केंद्रीय आधार बनाया। उनके समर्थकों ने इस मॉडल को गुजरात के विकास से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। वर्ष 2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख चेहरा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मोदी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भाजपा ने एक बार फिर अपना बहुमत बढ़ाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और अपने दम पर बहुमत से दूर रही लेकिन एनडीए ने बहुमत प्राप्त किया और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। यह तथ्य उनके राजनीतिक प्रभाव के साथ-साथ गठबंधन की राजनीति के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टिकोण रखना है। मोदी सरकार को भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक सद्भाव, केंद्रीय संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मोदी और भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे विषयों को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सभाएं, रेडियो कार्यक्रम, डिजिटल माध्यमों पर सक्रियता और व्यापक चुनावी प्रचार उनकी राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से रहे हैं। मोदी की राजनीति की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को स्थानीय चुनावी विमर्श से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे समर्थकों तक एक स्पष्ट संदेश पहुंचता है। हालांकि, किसी भी नेता की छवि केवल उसके अपने प्रचार से निर्धारित नहीं होती; जनता का अनुभव, स्थानीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी चुनावी फैसलों को प्रभावित करता है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारतीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। बाद के दशकों में भाजपा के विस्तार, क्षेत्रीय दलों के उभार और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों ने कांग्रेस की स्थिति को चुनौती दी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी नेतृत्व को लेकर सवाल उठे। लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। कांग्रेस ने 2019 की 52 सीटों के मुकाबले 2024 में 99 सीटें हासिल कीं। विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी कई राज्यों में भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत की। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस या पूरा विपक्ष मुकाबले की स्थिति में नहीं है, चुनावी तथ्यों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। राजनीतिक मुकाबला केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होता। संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों का चयन, क्षेत्रीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण, गठबंधन, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाएं भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तमाम चुनौतियों के बाद भी मोदी ने अपनी लोकप्रियता में अब तक कोई कमी नहीं आने दी। विपक्ष द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन ने एक बार को तो मोदी को बड़ी टक्कर देने की हुंकार भी भर ली थी, लेकिन बावजूद इसके किला नहीं भेद पाए। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

अलग विचारधारा पर आधारित राजनीति

विशेषता
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

आप जानते ही हैं कि हमारे यहां राजनेताओं की भीड़ है। उनमें से कई राजनीतिक परिवारों से आते हैं। वे पिता या दादा की वजह से आगे बढ़ते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनसे अलग हैं। वे एक साधारण परिवार से आए। उन्होंने खुद अपनी राह बनाई। उनके पिता चाय बेचते थे। बचपन में मोदी भी चाय की दुकान पर मदद करते थे। वे पढ़ाई करते रहे। बाद में आरएसएस से जुड़े। उन्होंने देश भर में यात्राएं कीं। देश को समझा। संगठन का काम किया। मेहनत से ऊपर उठे। वे 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2014 में प्रधानमंत्री बने। तब से वे देश का नेतृत्व कर रहे हैं। यही बड़ा अंतर है। कई नेता जन्म से सत्ता में होते हैं। मोदी ने संघर्ष किया। उन्होंने परिवार को राजनीति से दूर रखा। कई राजनेताओं के बच्चे मंत्री या सांसद बन जाते हैं। मोदी के परिवार ने ऐसा नहीं किया। वे कहते हैं कि सत्ता सेवा है। व्यक्तिगत लाभ नहीं। मोदी की बोलने की शैली भी अलग है। वे छोटे और साफ वाक्य बोलते हैं। लोग आसानी से समझ जाते हैं। वे कठिन शब्दों से बचते हैं। वे भावनाओं से जुड़ते हैं। वे नारे लगाते हैं। जैसे सबका साथ सबका विकास। ये नारे याद रह जाते हैं। वे मंच पर खड़े होकर सीधे लोगों की बात करते हैं। वे हास्य का भी इस्तेमाल करते हैं। इससे भीड़ जुड़ जाती है। वे सोशल मीडिया का खूब इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हैं।

मन की बात कार्यक्रम चलाते हैं। इसमें वे रेडियो पर सीधे लोगों से बात करते हैं। बाकी कई राजनेता अखबारों और टीवी पर निर्भर करते हैं। मोदी सीधे पहुंचते हैं। वे अपनी बात को कहानियों और उदाहरणों से जोड़ते हैं। इससे लोग आसानी से याद रख लेते हैं। प्रख्यात राजनीतिक विश्लेषक बिक्रम उपाध्याय कहते हैं कि मोदी जी का काम करने का तरीका भी अलग है। वे योजनाओं की निगरानी करते हैं। अधिकारी रिपोर्ट देते हैं। वे खुद जांच करते हैं। गुजरात में उन्होंने कई प्रयोग किए। बाद में उन्हें पूरे देश में लागू किया। वे काम टालते नहीं हैं। वे अफसरों और अपने मंत्रियों से सवाल पूछते हैं। जरूरत पड़ने पर कसते भी हैं। वे सुबह जल्दी उठते हैं। लंबे समय तक काम करते हैं। वे विवरण सुनते हैं और तुरंत फैसला लेते हैं। कई राजनेता बैठकों में समय बिताते हैं। मोदी परिणाम चाहते हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। डिजिटल इंडिया से ऑनलाइन सेवाएं बढ़ीं। आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य बीमा मिला। ये योजनाएं अमल पर जोर देती हैं। कई राजनेता वादे करते हैं। अमल कम दिखता है। मोदी ने निगरानी बढ़ाई। जल जीवन मिशन से गांवों में नल का पानी पहुंचा। प्रधानमंत्री आवास योजना से घर बने। इन योजनाओं ने गरीबों की जिंदगी में बदलाव लाया। राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका ध्यान ज्यादा है। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख रहा। सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई हुई। विदेश नीति में वे सक्रिय हैं। भारत की छवि मजबूत करने की कोशिश की। क्वाड जैसी व्यवस्था में हिस्सा लिया। उन्होंने योग दिवस को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बात रखी। मोदी की छवि साफ-सुथरी है। व्यक्तिगत भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। ये छोटी बात नहीं है। वे सादा जीवन जीते हैं। शाकाहारी हैं। अनुशासन पसंद करते हैं। कई राजनेताओं पर घोटालों के आरोप लगते हैं। वे परिवार को सत्ता से दूर रखते हैं। यह भी एक बड़ा फर्क है। कुछ लोग कहते हैं कि वे बहुत ताकतवर हैं। फैसले केंद्र से होते हैं। इससे संस्थाओं पर प्रभाव पड़ता है। चुनाव आयोग जैसे मामलों में सवाल उठे हैं। कुछ कहते हैं कि अल्पसंख्यकों की चिंता कम है। हिंदुत्व पर जोर ज्यादा है। किसान आंदोलन और बेरोजगारी पर विपक्ष आलोचना करता है। महंगाई और नौकरियों की कमी भी मुद्दा रहा। समर्थक कहते हैं कि विकास हो रहा है। सड़कें और पुल बन रहे हैं। डिजिटल भुगतान बढ़ा। विपक्ष कहता है कि असमानता बढ़ी है। नौकरियां पर्याप्त नहीं बनीं। मोदी की राजनीति विचारधारा पर आधारित है। वे बाकी राजनेताओं से अलग हैं। नेता अच्छे या बुरे नहीं होते। उनके काम और नतीजे मायने रखते हैं। मोदी ने राजनीति का तरीका बदला है। आगे क्या होगा यह समय बताएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम चलाते हैं। इसमें वे रेडियो पर सीधे लोगों से बात करते हैं। बाकी कई राजनेता अखबारों और टीवी पर निर्भर करते हैं। मोदी सीधे पहुंचते हैं। वे अपनी बात को कहानियों और उदाहरणों से जोड़ते हैं। इससे लोग आसानी से याद रख लेते हैं।

देश ने अपना खोया गौरव हासिल किया

उपलब्धि
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

सात अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि वे एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे वजहें भी थीं। मोदी का गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य को चार मुख्यमंत्रियों को देखना पड़ा था। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं थे और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित हो चुके थे।

इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत बन चुके हैं। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और सर्वस्वीकार्यता कम ही मिलती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिल जाता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं हो रही थीं, जैसे आज मोदी के कई कदमों की कटु आलोचना उनके वैचारिक विरोधी करते हैं। वैसे भी भारतीय समाज पदधारियों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, समाज उसका कुछ अपवादों को छोड़ प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण लें सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे और आडवाणी कट्टर। लिहाजा वे आलोचनाओं के केंद्र में थे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में आने वाले दिनों में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का दूसरा नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। मोदी की सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही, इसमें वे कामयाब रहे। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड की वजह से भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। लेकिन मोदी गजब जीवट के धनी हैं। मोदी रुके नहीं। गुजरात में जब चीजें पटरी पर आनी शुरू हुईं तो उन्होंने राज्य के विकास को लेकर अपना मॉडल पेश किया। जिसे कालांतर में देश ने उसे 'गुजरात मॉडल' के नाम से जाना। मोदी ने अपने लंबे शासन काल में ढेरों उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। मोदी कहते हैं कि उनकी नजर में सिर्फ चार जातियां हैं, महिला, युवा, गरीब और किसान। मोदी के लंबे शासन काल में इन चारों ही वर्गों का ध्यान ठीक से रखने की कोशिशें बढ़ी हैं। मोटे तौर पर कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है।

मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी के शासनकाल में देश की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। उनकी नजर में सिर्फ चार जातियां हैं- महिला, युवा, गरीब और किसान। मोदी के लंबे शासन काल में इन चारों ही वर्गों का ध्यान ठीक से रखने की कोशिशें बढ़ी हैं।

खबर संक्षेप

विजयन के खिलाफ एफआईआर का आदेश

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने सीएमआरएल रिश्वत मामले में ईडी की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी कानून के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। जस्टिस ए, बदरुद्दीन ने वकील केएम शाहजहां की याचिका को मंजूरी दे दी। शाहजहां का तर्क था पुलिस को एफआईआर दर्ज करनी चाहिए।

होमगार्ड ने पत्नी-बेटी की गला कसकर हत्या की

लखनऊ। कृष्णानगर कोतवाली क्षेत्र के भोला खेड़ा में शुक्रवार तड़के एक होमगार्ड ने अपनी पत्नी

और बेटी की गला कसकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सतेन्द्र कुमार सिन्हा आ०स्व० सिद्धेशर प्रसाद सिन्हा निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 353/1 रकबा 0.353 हे० भूमि राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 28.10.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 06/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि -

1. मेसर्स देव कोल्ड स्टोरेज, ग्राम देवगढ़, तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़) में स्थापित है एवं इकाई एक लघु श्रेणी का भागीदारी फर्म है। फर्म में 04 भागीदार श्री मदन कुमार गोयल, श्रीमती मधु गोयल, श्री अशोक कुमार अग्रवाल एवं सुश्री निधी गोयल थे, जिनमे से 01 भागीदार श्री मदन कुमार गोयल की मृत्यु हो जाने के कारण वर्तमान में 03 भागीदार श्रीमती मधु गोयल, श्री अशोक कुमार अग्रवाल एवं सुश्री निधी गोयल शेष है। उक्त हेतु स्वामित्व परिवर्तन की अनुमति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। 2. शाखा प्रबंधक, युनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा अंबिकापुर, जिला सरगुजा की ओर से मेसर्स देव कोल्ड स्टोरेज, ग्राम देवगढ़, तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा वित्त पोषित है तथ इकाई द्वारा बैंक का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

3. राज्य शासन की औद्योगिक नीति 2019-24 के तहत प्रदान किये गये अनुदान एवं छूट के संदर्भ में उद्योग संचालनालय के पत्र क्रमांक ढफडख-41011/113/2026-ऊडक दिनांक 01.10.2026 द्वारा मेसर्स देव कोल्ड स्टोरेज, ग्राम देवगढ़, तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा के स्वामित्व परिवर्तन की अनंतिम स्वीकृति दी गई है। अतः मेसर्स देव कोल्ड स्टोरेज, ग्राम देवगढ़, तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़) के उद्योग के स्वामित्व परिवर्तन की अंतिम अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, कंपनी, वित्तीय संस्था/बैंक या अन्य किसी को कोई आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह सूचना प्रकाशन तिथि से 10 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

रायपुर, दिनांक 01.10.2026
संचालक

भारत मंडपम में यूपीएससी के शताब्दी समारोह में बोले प्रधानमंत्री

आप सभी युवा एक साथ राष्ट्र के भविष्य के मुख्य निर्माता और प्राथमिक लाभार्थी होंगे

स्मारक डाक टिकट, विशेष सिक्का और 100 अहम केस कानूनों का संकलन जारी किया

सरकारी पद की लालसा के बजाए जनसेवा की ओर आकर्षित हों

प्रधानमंत्री का स्वागत करते संस्थान के अधिकारी

भारत मंडपम में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के शताब्दी समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने समृद्ध विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह 100 साल का उत्सव वास्तव में लाखों युवाओं की अपार आकांक्षाओं और संस्था पर प्रत्येक भारतीय के अटूट विश्वास का उत्सव है। उन्होंने बदलती पीढ़ियों, सरकारों, प्रौद्योगिकियों और पाठ्यक्रम के बावजूद संस्था की अटूट विश्वसनीयता की सराहना की और इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट, एक विशेष सिक्का और 100 अहम केस कानूनों का संकलन जारी किया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता के बाद सामने आई विशाल चुनौतियों को याद करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने न केवल देश को स्वतंत्र बनाए रखने के लिए, बल्कि नवगठित राष्ट्र के सक्रिय शासन के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना की स्थापना की।

संस्थान ने राष्ट्र के सपनों को साकार करने की दिशा में केंद्रित किया

प्रधानमंत्री ने 1926 में ब्रिटिश राज के दौरान स्थापित इस संस्था की तुलना स्वतंत्रता के बाद के इसके विकास से करते हुए कहा कि इस प्रणाली ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान एक स्वतंत्र राष्ट्र के सपनों को साकार करने की दिशा में केंद्रित किया है। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यूपीएससी ने अपने ऐतिहासिक कर्तव्यों का उत्कृष्ट निर्वहन किया है।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में जुटें

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में चयन आयोगों की महत्वपूर्ण भूमिका का विस्तार से वर्णन करते हुए इस बात पर बल दिया कि आज भर्ती किए गए युवा एक साथ राष्ट्र के भविष्य के मुख्य निर्माता और प्राथमिक लाभार्थी होंगे। चयन प्रक्रिया को राष्ट्र और नागरिक को प्राथमिकता देने के दोहरे मापदंड पर परखा जाना चाहिए।

प्रशिक्षु अधिकारी मूल प्रेरणाओं को लिख लें

नवनियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी मूल प्रेरणाओं को लिख लेना चाहिए ताकि भविष्य में आने वाली चुनौतियों और जिम्मेदारियों के समय वे आत्म-मूल्यांकन के लिए इनका उपयोग कर सकें। उन्होंने यूपीएससी और राज्य आयोगों को उम्मीदवारों के लिए इसी तरह की आत्म-निरीक्षण प्रणाली को संस्थागत रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया। मोदी ने कहा कि यूपीएससी और राज्य आयोग भी ऐसी प्रणाली विकसित करने पर विचार कर सकते हैं।

नए बदलाव की मांगें भी बढ़ेंगी

इस दौरान प्रधानमंत्री ने बताया कि राष्ट्र में ग्रामीण-शहरी विभाजन कम होने से युवाओं की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान नए बदलाव की मांगें भी बढ़ेंगी।

अंतर्निहित प्रेरणा का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए

प्रधानमंत्री ने भर्ती प्रक्रिया में मूलभूत बदलाव का आग्रह करते हुए इस बात पर बल दिया कि चयन के मापदंडों में केवल अकादमिक ज्ञान का ही नहीं, बल्कि उम्मीदवारों की अंतर्निहित प्रेरणा का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए, ताकि वे केवल सरकारी पद की लालसा के बजाय जनसेवा की ओर आकर्षित हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि सही अंतर्निहित प्रेरणा वाले व्यक्तियों का चयन करने से प्रशासन के लिए तेजी से बदलती जन आकांक्षाओं के अनुरूप ढलना अत्यंत सरल हो जाता है।

'नागरिक देवो भव' के परम सिद्धांत पर चलें

प्रधानमंत्री ने अतीत की पुरातन 'माई-बाप' शासन प्रणाली को त्यागते हुए 'नागरिक देवो भव' के परम सिद्धांत पर आधारित एक आधुनिक प्रशासनिक युग की शुरुआत का उल्लेख किया, जिसमें नागरिक को ईश्वर के समान माना जाता है।

यूपी, पुडुचेरी, बंगाल, असम के नतीजे बता रहे लोकतंत्र ने फिर भीड़तंत्र को जवाब दिया

ईरानी बोलीं- भाजपा की ये जीत सुशासन और विकास का प्रमाण

▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की जीत भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की विजय है। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी ने शनई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई की घोषणा को संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया और कांग्रेस पर पितृसत्ता विरोधी नारों के आचरण में विरोधाभास होने का आरोप लगाया। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री ने जेएनयू में कांग्रेस सांसद के खिलाफ छात्राओं की शिकायतों की जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बावजूद कार्रवाई न किए जाने पर कांग्रेस नेतृत्व से जवाब मांगा।

नंदीग्राम में ऐतिहासिक प्रमाण

इरानी ने कहा कि आज भीड़तंत्र को लोकतंत्र ने जवाब दिया है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ताओं की जीत का समाचार हम सबको हर्षित कर रहा है। पुडुचेरी में एनडीए के प्रतिनिधि की जीत पर भाजपा के कार्यकर्ता उनका अभिनंदन करते हैं। बंगाल और असम से ऐतिहासिक परिणामों की सूचनाएं आ रही हैं। नंदीग्राम, जो वामपंथी विचारधारा, जनता के खिलाफ हिंसा और औद्योगिक विकास को रोकने का ऐतिहासिक प्रमाण बना था, वहां आज सुशासन का संकल्प लेकर भाजपा की जीत हुई है। रेजीनगर में लगभग 71 प्रतिशत मतदाता अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, वहां भी भाजपा ने जीत विजय पताका फहराया।

कांग्रेस देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ

ईरानी ने कहा कि इन सभी राज्यों के मतदाताओं के प्रति भाजपा के कार्यकर्ता आभार व्यक्त करते हैं। मैं पुनः कहती हूं कि आज एक बार फिर लोकतंत्र ने भीड़तंत्र को जवाब दिया है। यह बात इसलिए कह रही हूं, क्योंकि 15 जनवरी 2025 को कांग्रेस के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुले मंच से कहा था कि उनकी लड़ाई भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट के खिलाफ है। इंडियन स्टेट का अर्थ है हमारी संवैधानिक व्यवस्थाएं, जो लोकतंत्र की स्थापना, संरक्षण और समृद्धि में योगदान देती हैं। यह चर्चा का विषय होना चाहिए कि कांग्रेस के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष को आप सबके माध्यम से इंडियन स्टेट पर हमला करने की बात कैसे कह पाए?

प्रश्नपत्र लीक मामले में कार्रवाई

ईडी ने ओडिशा व बंगाल में 10 ठिकानों पर छापेमारी की

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ओडिशा में 2024 में उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के मामले में शुक्रवार को राज्य और पश्चिम बंगाल में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। भुवनेश्वर स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने ओडिशा में 8 और पश्चिम बंगाल में 2 ठिकानों पर तलाशी ली। मामला अक्टूबर 2025 में ओडिशा पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है। पिछले साल 30 अक्टूबर को

प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों में पुलिस ने आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा के पास इच्छापुरम में 114 अभ्यर्थियों को ले जा रही 3 बसों को रोका था। यह परीक्षा 5-6 अक्टूबर, 2025 को होनी थी। अभ्यर्थियों को 15 लाख से 30 लाख तक की रकम के बदले प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का वादा किया गया था।

नवीन की महासचिवों के साथ बैठक

विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की, रणनीति भी बनाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें 'विभिन्न संगठनात्मक मामलों' पर चर्चा की। यह बैठक मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दलों और कॉंजपा द्वारा 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन किए जाने के आह्वान के बीच हुई। भाजपा ने 'एक्स' पर बैठक पर कहा कि पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की और विभिन्न

संगठनात्मक मामलों तथा पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में क्या चर्चा हुई, इस बारे में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। बताया गया कि बैठक में विपक्ष के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और उसके विमर्श का मुकाबला करने के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा हुई।

कच्छ में खावड़ा के पास रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में हादसा

ट्रक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर में 7 मजदूरों की मौत, 20 जख्मी

क्रेन से निकाले गए शव

एजेंसी ▶▶ कच्छ

गुजरात के कच्छ जिले में खावड़ा के पास स्थित रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में शुक्रवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर में कम से कम 7 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हादसा सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। खावड़ा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर एमबी चावड़ा ने बताया कि ट्रक और बोलेरो कैंपर विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सभी मजदूर बोलेरो कैंपर में सवार थे

हादसे के समय सभी मजदूर बोलेरो कैंपर में सवार थे। टक्कर के बाद मजदूर वाहन के मलबे में फंस गए। उन्हें क्रेन की मदद से

बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। 20 से ज्यादा घायल मजदूरों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के पीछे संभावित लापरवाही के पहलुओं की भी जांच की जा रही है। कच्छ कलेक्टर अनिल राणावसिया ने कहा कि गुरुवार रात खावड़ा गांव के पास एक भीषण दुर्घटना हुई। एक कंपनी के 30-32 मजदूरों को ले जा रही पिकअप वैन एक ट्रक से टकरा गई।

खनिजों के अवैध परिवहन पर कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

सिंगरौली। खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग ने कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं। कार्रवाई कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश और खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में की गई। सहायक खनि अधिकारी रामसुशील चौरसिया ने गिट्टी, रेत और कोयले के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों को जब्त किया। इनमें गिट्टी के परिवहन में लगा वाहन क्रमांक टढ66अ6867 और बिना नंबर की रेत लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल है। दोनों वाहनों को पुलिस चौकी गोरबी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/6452/अ-20(3)/2025-26
ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती विनिता साहू पत्नी राकेश साहू, आयु लगभग-43 वर्ष, जाति-तेली, निवासी मोहल्ला-दरीपारा, नगर अम्बिकापुर, थाना व तहसील-अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट क्रमांक 09 स्थित नजूल भू-खण्ड क्रमांक 3467/4866/252 कुल रकबा 46X55= 2530 वर्गफीट में से रकबा 23X55= 1265 वर्गफीट भूमि को अनावेदक ब्रजनाथ प्रसाद नामदेव आ० शीचंद नामदेव, आयु लगभग- 59 वर्ष, जाति नामदेव निवासी मोहल्ला ब्रम्हरोड़ अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० को अपने निजी कार्य से रूपयों की आवश्यकता होने के कारण उक्त भूमि को सदादिन के लिये विक्रय करना चाहता है, के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-28/10/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांकः- 12/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)
लखनपुर, दिनांक 09.10.2026
अ-6-अ/प०ह०न0-14
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण ग्राम रजपुरीकला के आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आवेदक धरमदास आ. रमेश्वर दास, जाति पनिका निवासी ग्राम रजपुरीकला, थाना व तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा छ.ग. द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम रजपुरीकला स्थित भूमि खसरा नं.- 1181/3 रकबा 0.075 हे. भूमि जो आवेदक को बंटवारा में प्राप्त होकर आवेदक के नाम पर दर्ज था, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश किसी अज्ञात व्यक्ति हमीद के नाम पर दिखा रहा है जिसपर आवश्यक सुधार कर आवेदक के नाम पर पूर्ववत करने हेतु बी-1, खसरा, ऋण पुस्तिका, नामांतरण पंजी का प्रतिलिपि संलग्न कर आवेदन पेश किया गया है, जिस संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आगामी पेशी दिनांक 23/10/2026 के पूर्व इस न्यायालय में अपना दावा आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार लखनपुर
जिला सरगुजा (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)
लखनपुर, दिनांक 09.10.2026 अ-6-अ/प०ह0न0-14
ईश्तहार

एत्द द्वारा सर्व साधारण ग्राम रजपुरीकला के आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आवेदक वेदप्रकाश आ. स्व. शोभा दास, जाति पनिका निवासी ग्राम रजपुरीकला, थाना व तहसील लखनपुर, जिला सरगुजा छ.ग. द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम रजपुरीकला स्थित भूमि खसरा नं.- 1181/2 रकबा 0.072 हे. भूमि जो आवेदक को बंटवारा में प्राप्त होकर आवेदक के नाम पर दर्ज था, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश किसी अज्ञात व्यक्ति हमीद के नाम पर दिखा रहा है जिसपर आवश्यक सुधार कर आवेदक के नाम पर पूर्ववत्करने हेतु बी-1, खसरा, ऋण पुस्तिका, नामांतरण पंजी का प्रतिलिपि संलग्न कर आवेदन पेश किया गया है, जिस संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आगामी पेशी दिनांक 23/10/2026 के पूर्व इस न्यायालय में अपना दावा आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार लखनपुर
जिला सरगुजा (छ०ग०)

त्रुटि नाम सुधार हेतु

प्रमाणित किया जाता है कि मैं रीता आ० लोहार साय, निवासी -माझापारा, मलगावाँ खुर्द तहसील-अम्बिकापुर की मूल निवासी हूँ। मेरा आधार नं.- 675910863190 में मेरा नाम कारमेन सिंह दर्ज है जो त्रुटिपूर्ण एवं गलत है। निर्वाचन कार्ड (वोटर आई.डी.) में मेरा नाम रीता दर्ज है जो पूर्णतः सत्य एवं सही है। मैं अपना नाम आधार में दर्ज नाम करमेन सिंह को सुधार कराकर सही नाम रीता आधारकार्ड दर्ज कराना चाहती हूँ।

अंबिकापुर
प्रार्थी/आवेदिका
रीता

आम सूचना
प्रारूप (एक)

मैं हिरामन कोडाकू सुपुत्री श्री बचन सिंह निवासी ग्राम महाराजगंज, पोस्ट महाराजगंज, तहसील बलरामपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ०ग० ने अपने पूर्व व केवल उपयोग को पूर्णतः त्यागती हूँ। तथा उसका परित्याग करती हूँ। उसके स्थान पर इस विलेख की तारीख से नाम रूपमणी सिंह अंगीकार करती हूँ जिसके लिए की मेरे द्वारा अंगीकार किये गये नाम रूपमणी सिंह से ही पुकारा जाये व जाना जाये और पहचाना जाये न की मेरे पूर्व नाम हिरामन कोडाकू से।

नया नाम - रूपमणी सिंह
पुराना नाम - हिरामन कोडाकू

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौरचन्द्र गुहा आ०धनंजय गुहा निवासी स्कूलपारा सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 22/2 रकबा 1.000 हे0 भूमि मेसे 30 डिसमिल भूमि को अनावेदक राकेश कुमार राय आ०विष्णु राय निवासी भगवानपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 21,94,0000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.10.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर काई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

परियोजना प्रमुख सपत्नीक ने किया घट स्थापित

बीजपुर (सोनभद्र) एनटीपीसी परिसर स्थित प्रसिद्ध रिहंदेश्वर धाम महादेव मंदिर में विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ घटस्थापना का कार्यक्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक संजय असाटी तथा महिला मंडल की अध्यक्षा नीलू असाटी ने संयुक्त रूप से कलश स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर के मुख्य पुजारी राधेश्याम दुबे के मंत्रोच्चार ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कलश स्थापना के दौरान महाप्रबंधक (प्रचालन) पी के नायक, पूजा समिति के अध्यक्ष अपर महाप्रबंधक एन एस कोरंगा, महासचिव विजेंद्र कुमार मीना, मंदिर समिति के अध्यक्ष योगेश त्रिपाठी, मानव संसाधन विभाग प्रमुख राजेश बोईपाई, अपर महाप्रबंधक पी लक्ष्मी, मंदिर समिति के उपाध्यक्ष जी सी साहु, आर एन वर्मा, महासचिव प्रमोद द्विवेदी, संजय कुमार, अनिल त्रिपाठी, विजय गुप्ता, एस के बी पाठक, भीष्म सिंह, सूरज प्रजापति आदि के साथ अनेकानेक श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान एवं आरती में श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। परियोजना प्रमुख ने पूजा-अर्चना के माध्यम से क्षेत्र वासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। रिहंदेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने श्रद्धा, आस्था एवं आध्यात्मिक वातावरण को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बीस अक्टूबर तक नियमित रूप से सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम मंदिर एवं पूजा पंडाल में आयोजित किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष अपर महाप्रबंधक योगेश त्रिपाठी ने बताया कि मां जगदम्बा की उपासना से भक्तों को सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। उन्होंने शक्ति साधना के महापर्व में सभी सनातनी को शामिल होने और पूण्य का लाभ उठाने का आह्वान किया।

महाराजा श्री अग्रसेन ने दिया दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश : राज्यपाल

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी के श्री अग्रसेन धाम में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 में राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस दौरान प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि और अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं दी गईं।राज्यपाल ने कहा-

एक ईंट एक रुपया आत्मनिर्भरता की मिसाल - राज्यपाल

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज को दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश दिया। अग्रवाल समाज व्यवसाय के साथ समाज में सार्थक योगदान दे रहा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह समाज उद्योग-धंधे स्थापित कर लोगों को रोजगार देता है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की प्रेरणा दी। उनका 'एक ईंट एक रुपया' का सिद्धांत आपसी सहयोग और आत्मनिर्भरता की अनोखी मिसाल है। उन्होंने सिखाया कि ज्ञान सभी से लेना चाहिए और दान भी देना चाहिए। नई पीढ़ी को त्वरित सफलता की जगह पारंपरिक मूल्यों का पालन करना चाहिए।

विकसित छत्तीसगढ़ में अग्रवाल समाज की अहम भूमिका - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह समाज हमेशा परोपकार में अग्रणी रहा है, चाहे स्वास्थ्य शिविर हो, गौसेवा, धर्मशाला, सामूहिक विवाह या निःशुल्क शिक्षा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है, हम विजन डॉक्यूमेंट के आधार पर

विकसित छत्तीसगढ़ के लिए मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से 75 लाख करोड़ तक पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में खनिज, वनोपज, बिजली, पानी प्रचुर मात्रा में हैं और अग्रवाल समाज अपने परिश्रम से राज्य को आगे बढ़ा रहा है।

गौ-एम्बुलेंस का लोकार्पण

कार्यक्रम में घायल गौमाता के इलाज के लिए गौरक्षा वाहिनी एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया। अग्रसेवा गौशाला रायपुर द्वारा संचालित इस एम्बुलेंस के लिए +91-8109002139 पर कॉल किया जा सकेगा। साथ ही अग्रवाल समाज की डायरेक्ट्री और अग्रपुष्प बुलेटिन पत्रिका का विमोचन और प्रतिभावान बच्चों को अग्र प्रतिभा सम्मान व युवाओं को अग्र गौरव सम्मान दिया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, एडीआर ग्रुप के चेयरमैन सुशील अग्रवाल, समाज अध्यक्ष विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ के 54 भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने पूरी की सेवा संकल्प बाइक यात्रा, सीएम ने किया भव्य स्वागत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुरू किए गए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत ऐतिहासिक बाइक रैली पूरी कर लौटे छत्तीसगढ़ के 54 युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने आवास पर स्वागत किया।

पीएम की कर्मभूमि से जन्मभूमि तक का सफर

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि यह रैली प्रधानमंत्री की कर्मभूमि काशी (बनारस) से उनकी जन्मभूमि वडनगर, गुजरात तक निकाली गई थी। छत्तीसगढ़ के 54 युवा कार्यकर्ताओं ने 5 राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ के हिस्सों से होते हुए करीब 2300 किलोमीटर की दूरी बाइक से तय की। 15 सितंबर को मुख्यमंत्री ने ही इन कार्यकर्ताओं को रायपुर से शुभकामनाएं देकर रवाना किया था।

यात्रा में सेवा और जनसंपर्क का संगम

यह यात्रा केवल बाइक रैली नहीं थी, बल्कि सेवा और संपर्क का अभियान थी। कार्यकर्ताओं ने रास्ते में सैकड़ों गांवों में ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया, जगह-जगह वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं - आयुष्मान, उज्ज्वला, पीएम आवास जैसी योजनाओं की जानकारी दी, स्वच्छता और सेवा कार्यों में भाग लिया।

युवाओं को मिली प्रेरणा - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें अलग-अलग संस्कृतियों, लोगों और संगठनात्मक कार्यों को समझने का मौका मिला।सीएम साय ने कहा, ₹प्रधानमंत्री मोदी ने 25 वर्षों तक जनसेवा का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह युवाओं के लिए प्रेरणा है। छत्तीसगढ़ के युवाओं ने इस लंबी यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा कर यह साबित किया है कि वे सेवा और संकल्प के साथ काम करने को तैयार हैं। इस अनुभव का लाभ छत्तीसगढ़ में संगठन को और मजबूत करने में मिलेगा।₹इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों के संबंध में लोकभवन में बैठक आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 22 एवं 23 अक्टूबर को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर आवश्यक तैयारियों के संबंध में आज लोकभवन में बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान लोकभवन में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लोकभवन परिसर में बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बिजली और इंटरनेट की निर्बाध उपलब्धता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और प्रोटोकॉल के तहत वाहनों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। बैठक में जनसंपर्क विभाग के संचालक आशीष कुमार टिकरिहा, रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम रायपुर, सामान्य प्रशासन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बालको थाना परिसर में हंगामा और आरक्षक से मारपीट, आरोपी महिला जेल दाखिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। बालकोनगर थाना परिसर में हंगामा करने और पुलिस आरक्षक के साथ मारपीट करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी महिला रानी यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार घटना 9 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे की है। थाना बालकोनगर में प्रार्थिया ईश्वरी राज पति विनोद कुमार मरावी ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने सहकर्मियों के साथ थाने में शासकीय कार्य कर रही थीं।इसी दौरान शराब के नशे में मोटरसाइकिल चलाते हुए एक बच्ची को टक्कर मारने के आरोप में अजय यादव को थाने लाया गया था। उसका पीछा करते हुए उसकी मां रानी यादव भी थाने पहुंच गई और वहां हंगामा करने लगी। पुलिसकर्मियों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। आरोप है कि विवाद के दौरान रानी यादव ने पुलिस आरक्षक के साथ मारपीट की, जिससे आरक्षक के हाथ में चोट आई और थाने का शासकीय कार्य बाधित हुआ।

बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज

शिकायत के आधार पर बालको पुलिस ने अपराध क्रमांक 600/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 132, 121(1) और 221 के तहत मामला दर्ज किया।विवेचना के बाद 10 अक्टूबर को आरोपी रानी यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।कोरबा पुलिस ने अपील की है कि नागरिक कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें और शासकीय कार्य में बाधा या पुलिस से अभद्रता न करें, अन्यथा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल से प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों ने आज लोकभवन में राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष किशोर महानंद के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचे थे। राज्यपाल डेका ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया और आगामी प्रतियोगिताओं में सफलता की शुभकामनाएं दीं।राज्यपाल से भेंट करने वालों में अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर प्रदीप क्षत्री एवं लखपति सिंदूर, वेटलिफ्टर कैलाश सिक्का, बास्केटबॉल खिलाड़ी कु. सौपी सिक्का, थाई बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता कु. मानसी तांडी, सॉफ्टबॉल खिलाड़ी कु. गंगा सोना एवं कु. प्रतिमा सोना, फुटबॉल खिलाड़ी बोस्टो तांडी एवं राजेश महानंद, कराटे खिलाड़ी कु. लक्षिता तांडी, किक बॉक्सिंग खिलाड़ी कु. रीयाशा बाघ, पावरलिफ्टर कु. प्रिया हरपाल तथा ह्यइंडियाज बेस्ट डांसर सीजन-5ह्ल के विजेता रितेश पाल शामिल थे। राज्यपाल ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पेंशनरों के लिए सभी बैंकों में खुले विशेष काउंटर, 80 साल के बुजुर्गों को घर बैठे मिले जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की रायपुर जिला इकाई ने पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में होने वाली परेशानी को लेकर कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग की है। महासंघ ने जिले के सभी बैंकों में विशेष काउंटर शुरू करने और बुजुर्ग-अशक्त पेंशनरों को घर बैठे प्रमाण पत्र की सुविधा देने का आग्रह किया है।

BHARATHEEYA RAJYA PENSIONERS MAHA SANGH
Reg. No. - KSR/CA/66/2014
भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ

जमा करने की अंतिम तिथि नजदीक

महासंघ के जिला अध्यक्ष आर.जी. बोहरे और सचिव ओ.डी. शर्मा ने बताया कि 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनरों को 1 से 31 अक्टूबर 2026 तक और 80 वर्ष से कम आयु के पेंशनरों को 1 से 30 नवंबर 2026 तक जीवन प्रमाण पत्र जमा करना है। बैंकों में विशेष काउंटर खुलने से बुजुर्गों को लंबी कतारों और भागदौड़ से राहत मिलेगी।

पिछले साल नहीं मिली थी पेंशन

महासंघ ने बताया कि पिछले वर्ष कुछ पेंशनरों को प्रमाण पत्र जमा करने के बावजूद नवंबर 2025 की पेंशन नहीं मिल पाई थी। कलेक्टर के निर्देश पर रेडक्रॉस भवन में विशेष शिविर लगाकर समस्या का समाधान किया गया था। महासंघ ने इसके लिए प्रशासन का आभार जताया। प्रदेश महामंत्री अनिल गोल्हानी ने कहा कि ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए सभी बैंकों में निर्धारित अवधि तक विशेष काउंटर संचालित हों। साथ ही 80 वर्ष से अधिक और शारीरिक रूप से अशक्त पेंशनरों के लिए घर पर या डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र बनवाने की सुविधा सुनिश्चित की जाए।

प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना में दंतेवाड़ा ने रचा इतिहास, राष्ट्रीय स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ जिला' पुरस्कार से सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने कृषि के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले को देशभर में 'सर्वश्रेष्ठ जिला' के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह सम्मान प्रदान किया। जिले की ओर से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव और उप संचालक कृषि सूरज कुमार पंसारी ने पुरस्कार ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ के मेहनतकश अन्नदाताओं के परिश्रम, शासन की किसान कल्याणकारी नीतियों और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राज्य सरकार पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के लिए काम कर रही है। बस्तर जैसे आदिवासी अंचल में यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सरकार किसानों की आय बढ़ाने, उत्पादकता में वृद्धि और उन्नत तकनीकों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। दंतेवाड़ा की सफलता प्रमाण है कि वनांचल क्षेत्रों में भी कृषि विकास के कीर्तिमान स्थापित किए जा सकते हैं।

कैसे मिली सफलता?

योजना के तहत दंतेवाड़ा में दूरस्थ वनांचल ग्रामों के लघु एवं सीमांत किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों का समन्वयमृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन, कृषि, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभागों के बीच बेहतर तालमेल, क्लस्टर आधारित गतिविधियों और मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया गया। इस उपलब्धि में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व और योजनाओं की नियमित समीक्षा की भी अहम भूमिका रही।

लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध करें सख्त कार्रवाई : रेना जमील

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार को समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में आयोजित उक्त बैठक में प्रधानमंत्री आवास, धान खरीदी, सहित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं विभागीय गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा कर कलेक्टर ने आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों की जानकारी लेते हुए शेष आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मदों से स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने को कहा। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी की तैयारियों एवं कृषक पंजीयन की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही एग्रीस्टेक पंजीयन एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, शिशुओं एवं शिशुवती माताओं के टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक नागरिकों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग में प्रगति, आयुष्मान कार्ड निर्माण की जानकारी लेते हुए आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड शीघ्र बनाने एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए।।शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, अनुपस्थिति एवं अवकाश की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति एवं शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने समय-सीमा, जनदर्शन, सेवा सेतु, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं पीजी पोर्टल के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश भी दिए।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयन तारा सिंह सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर में आज होगा 'डॉक्टर आपके द्वार' एंबुलेंस का शुभारंभ

रेडक्रॉस सोसायटी की पहल से जरूरतमंदों को मिलेगी राहत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा की ओर से जनसेवा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज 'डॉक्टर आपके द्वार' एंबुलेंस का शुभारंभ किया जाएगा। जिला चिकित्सालय सूरजपुर में सुबह 10 बजे आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत होगी।कार्यक्रम के दौरान सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर, पौधरोपण, सेवा संस्थाओं का सम्मान, अंगवीर एवं रक्तवीर सम्मान तथा जरूरतमंदों को नि:शुल्क उपकरण वितरण भी किया जाएगा। रेडक्रॉस सोसायटी की इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं और मानवीय सहायता को पहुंचाने के साथ समाज में सेवा, सहयोग और रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों और रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथियों में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, वन

विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक भूलन सिंह मरावी, विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति संत सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन ओंकार पाण्डेय, राज्य प्रतिनिधि अशोक अग्रवाल, तथा कोषाध्यक्ष श्रवण जैन सहित अन्य अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम में रक्तदान शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, पौधरोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों और संस्थाओं का सम्मान भी किया जाएगा। इसके साथ ही जरूरतमंदों को नि:शुल्क उपकरण वितरित किए जाएंगे। रेडक्रॉस सोसायटी की प्रबंध समिति के सदस्यों आजीवन सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदना को समर्पित रहेगा।

साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान

एवं शासकीय सेवाओं का लाभ सुलभता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय सीमा की बैठक पश्चात साप्ताहिक जनदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के समक्ष अपनी समस्याओ एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती जमील ने जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कोल्हूआ नाले में तैरता मिला युवक का शव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार की सुबह जिले के सोनपुर नर्सरी के समीप कोल्हुआ नाले में एक युवक का शव पाया गया है। मृतक की शिनाख्त सोनपुर के नाहर सिंह के रूप में की गई है। जिसके सिर पर चोट का निशान होने से प्रथम दृष्ट्या मामला संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है। मामले की सूचना पर बसदेई पुलिस मौके पर पहुंचकर प्रारंभिक औपचारिकता के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जिसके उपरांत शव परिजनों को सौप दिया गया।

युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसके सिर पर चोट कैसे लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मामले की वास्तविकता सामने आ सकेगी युवक का शव मिलने की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

सड़क सुरक्षा और स्वस्थ जीवन का संदेश लेकर आज दौड़ेगा सूरजपुर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने, सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता लाने और सामूहिक सहभागिता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आज शहर की सड़कों पर उत्साह, ऊर्जा और जागरूकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा मैराथन के माध्यम से नागरिकों को नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करने के साथ ही सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन, यातायात अनुशासन और सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। इसके साथ ही बाइक रैली का भी आयोजन किया जायेगा।

मैराथन में विजेता प्रतिभागियों के लिए प्रोत्साहन राशि भी निर्धारित की गई है, जिसके अंतर्गत प्रथम पुरस्कार 51 सौ, द्वितीय पुरस्कार 31 सौ तथा तृतीय पुरस्कार 21 सौ रुपए के साथ हेलमेट भी प्रदान किया जाएगा। मैराथन का आयोजन आज प्रात: 8 बजे से 11:30 बजे तक किया जाएगा। मैराथन राजमोहनी माता चौक से प्रारंभ होकर साधुराम सेवाकुंज तक आयोजित होगी। इसमें जिले के युवा, विद्यार्थी, महिलाएं सहित विभिन्न आयु वर्ग के नागरिक अपनी सहभागिता कर सकेंगे। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, खेलप्रेमियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रावास की बालिकाओं ने दिखाई प्रतिभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास में बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, समानता एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास की बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान पोस्टर, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से बालिका शिक्षा, भ्रूण हत्या की रोकथाम, लैंगिक समानता, महिला सुरक्षा तथा बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगी रंगोलियों और आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से समाज को बेटियों के सम्मान, संरक्षण एवं शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान बताया गया कि बालिकाओं को समान अवसर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षित एवं सशक्त बालिकाएं परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी और रचनात्मक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

लक्ष्य से पार हुआ प्रतापपुर सीएचसी में संस्थागत प्रसव का आंकड़ा

अब तक केंद्र में कराया गया 417 सुरक्षित प्रसव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच अब तक 417 प्रसव कराए जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, केंद्र का निर्धारित मासिक लक्ष्य 30 प्रसव का है। इस हिसाब से छह महीने में 180 प्रसव का लक्ष्य बनता है। लेकिन केंद्र ने लक्ष्य का आंकड़ा पार कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग इसे गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, नियमित निगरानी और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति बढ़ती जागरूकता का परिणाम मान रहा है। कलेक्टर रेना जमील, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के निर्देश और मार्गदर्शन तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजीत दीवान के नेतृत्व में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रतापपुर के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अलावा राजपुर, बलरामपुर, वाड्रफनगर और ओड़गी विकासखंड के

सीमावर्ती गांवों से भी गर्भवती महिलाएं यहां पहुंच रही हैं। अनुभवी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, मितानिनों और अन्य सहयोगी कर्मचारियों की मदद से प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। संस्थागत प्रसव के बाद पात्र प्रसूताओं को जननी सुरक्षा योजना के तहत 14 सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। जननी शिशु सुरक्षा योजना के अंतर्गत अतिरिक्त पौष्टिक आहार और महतारी एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से नि:शुल्क घर पहुंच सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। बताया गया है कि प्रसव के बाद परिवार नियोजन को बढ़ावा देने और बच्चों के बीच उचित अंतर रखने के उद्देश्य से महिलाओं की काउंसिलिंग की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब तक 144 महिलाओं में प्रशिक्षित स्टाफ नर्सों द्वारा कॉपर-टी का निवेशन किया जा चुका है।इसके लिए निर्धारितप्रोत्साहन राशि भी वितरित की जा रही है। प्रक्रिया में मितानिन, सीएचओ, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सेक्टर चिकित्सक, आरएमए और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका अहम बताई गई है। संस्थागत प्रसव के बढ़ते आंकड़े के बीच अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि स्वास्थ्य केंद्र में बढ़ रहे मरीजों के दबाव के अनुरूप चिकित्सकीय स्टाफ, बिस्तर, दवाइयों और अन्य जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता भी लगातार बनी रहती है या नहीं। सुरक्षित प्रसव के साथ मां और नवजात की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग के लिए सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

जिला प्रशासन की पहल से दुर्घटना पीड़ितों को मिली त्वरित सहायता, तीन मिनट में पहुंची एम्बुलेंस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर के सहयोग से संचालित अपना हेल्प क्यूआर पहल उपयोगी साबित हो रही है। हाल ही में ग्राम महगांव निवासी श्री रामेश्वर, उनकी दादी श्रीमती सुधनी बाई एवं उनके साथ यात्रा कर रहे एक बच्चे को इस सुविधा के माध्यम से त्वरित एम्बुलेंस सहायता मिली। तीनों को दुर्घटना स्थल के नजदीकी चिकित्सालय में भर्ती कराकर नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्री रामेश्वर अपनी दादी एवं एक बच्चे के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान दुर्घटनावश तीनों सड़क पर गिर गए और उन्हें चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ी। घटनास्थल पर मौजूद श्री तुलेश्वर राजवाड़े ने सहायता के लिए आगे आते हुए मोटरसाइकिल पर लगे

अपना हेल्प क्यूआर को स्कैन किया। इसके माध्यम से आपातकालीन सहायता प्रक्रिया सक्रिय हुई और महज तीन मिनट में एम्बुलेंस सहायता उपलब्ध हो गई।

इस घटना में जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित सुविधा और जागरूक नागरिक की तत्परता ने घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। त्वरित सूचना एवं बेहतर समन्वय से तीनों घायलों को चिकित्सा सहायता मिल सकी और घायलों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया गया।

जिला प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अपना हेल्प क्यूआर के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस सुविधा का उपयोग करने के लिए किसी अतिरिक्त मोबाइल एप्लीकेशन की आवश्यकता नहीं होती। वाहन पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर आपातकालीन सहायता प्रक्रिया प्रारंभ की जा सकती है।

सड़क दुर्घटनाओं में समय पर सूचना और नागरिकों का सहयोग घायलों तक शीघ्र चिकित्सा सहायता पहुंचाने में सहायक हो सकता है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में संवेदनशीलता के साथ घायलों की सहायता के लिए आगे आएं तथा उपलब्ध आपातकालीन सुविधाओं का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। प्रशासन और नागरिकों की साझा सहभागिता से सड़क सुरक्षा एवं त्वरित सहायता व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

महतारी वंदन योजना से मिला आर्थिक संबल, छोटी-छोटी ख्वाहिशों को पूरा करने की मिली आजादी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कभी अपनी छोटी-छोटी जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए भी पति पर निर्भर रहने वाली महिलाओं के जीवन में महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपए की सहायता राशि महिलाओं को अपनी जरूरतों के लिए स्वयं निर्णय लेने का अवसर दे रही है। ऐसे ही सूरजपुर जिले के जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत दतिमा निवासी श्रीमती तबस्सुम निशा, जिनके जीवन में महतारी वंदन योजना ने आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की नई उम्मीद जगाई है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा की कहानी में श्रीमती तबस्सुम निशा बताती हैं कि पहले अपनी छोटी-छोटी व्यक्तिगत जरूरतों के लिए भी उन्हें पति पर निर्भर रहना पड़ता था। अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए कई बार परिवार की आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना पड़ता था। लेकिन महतारी वंदन योजना से जुड़ने के बाद अब उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिससे वे अपनी व्यक्तिगत जरूरतों और छोटी-छोटी ख्वाहिशों को स्वयं पूरा कर पा रही हैं। श्रीमती तबस्सुम निशा के लिए यह एक हजार रुपए की राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वाभिमान का आधार भी बन रही है। अब उन्हें अपनी हर छोटी जरूरत के लिए पति से पैसे मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे अपनी जरूरतों के अनुसार इस राशि का उपयोग कर रही हैं।

सरगुजा सांसद के द्वारा जनहित में समर्पित टैंकर का बीच सड़क में बहाना पड़ा पानी

जेसीबी की मदद से हटाया, बनते रही आवागमन में अवरोध की स्थिति

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहरवासियों के लिए जनहित के नाम पर दिया गया पानी टैंकर सोमवार को राहगीरों के लिए आफत बन गया। सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज द्वारा नगर पालिक निगम अंबिकापुर को समर्पित किया गया पानी टैंकर बीच सड़क पर ही स्टैचू की तरह खड़ा हो गया। इसके बाद हजारों लीटर पानी सड़क पर बहाने की नौबत बनी। करीब दो घंटे तक आने-जाने में लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निगम के जल प्रदाय शाखा से ट्रैक्टर में टोचन करके पानी से भरे टैंकर को चालक कहीं ले जा रहा था। पानी टंकी से महज 200 मीटर की दूरी पर बीच सड़क में अचानक पीछे की ओर से जमीन के सहारे टिक गया, जिससे चालक को ट्रेक्टर आगे बढ़ाने में असविधा होने लगी, दुर्घटना की संभावना भी पल भर के लिए बनी। इस दौरान आसपास में स्थित मल्टीपरपज स्कूल, शासकीय कन्या विद्यालय, नगर पालिक निगम सहित अन्य शासकीय और निजी स्कूलों के बच्चों की छुट्टी और स्कूल जाने का समय होने के कारण सड़क में यातायात का दबाव भी काफी था। स्कूली बसों के साथ ही अन्य वाहनों में लोग आना-जाना कर रहे थे।

टैंकर के पिछले हिस्से में आई तकनीकी खराबी के बाद बीच सड़क पर आड़ा-तिरछा जमीन पर टिकने से आवागमन में लोगों को दिक्कत होने लगी। इधर ट्रेक्टर के चालक के पास टैंकर के सड़क पर टिक जाने के बाद एकमात्र विकल्प यथास्थिति में टैंकर को छोड़ देना था। घटना के बाद जाम का सामना करते लोग गंतव्य की ओर रवाना हुए। कार, बाइक, साइकिल, ऑटो और स्कूली बच्चों की भीड़ जाम में फंसी रही। दोपहर करीब 12.30 बजे जेसीबी मशीन के साथ ऑपरेटर पहुंचे और टैंकर में भरे पानी को सड़क पर बहाने के बाद टैंकर को हटाया।

बहरहाल, मौके की स्थिति देखने के बाद जो परिदृश्य सामने आया, उससे करीबन साल भर पहले ही सांसद सरगुजा की ओर से जनहितार्थ दिए गए पानी के टैंकर की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

सवाल यह भी उठ रहा है कि सांसद निधि से दिए गए टैंकरों के रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी है? टैंकर पानी भरकर भेजने के उपयुक्त है या नहीं, इसकी मॉनीटरिंग किसके द्वारा की जाती है? ऐसे में निगम के जल प्रदाय शाखा में रखे गए सभी टैंकरों की तकनीकी जांच कराने की जरूरत महसूस हो रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो।

छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करेः राजेश अग्रवाल

■ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने मंदिरों में पूजा-अर्चना करके प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सोमवार को सरगुजा जिले के लखनपुर एवं अंबिकापुर स्थित मां दुर्गा मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने पवित्र ज्योत के दर्शन किए तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति, विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मां जगदंबा की असीम कृपा और आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो तथा प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन व्यतीत करे, यही उनकी हार्दिक अभिलाषा है। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा शक्ति, साहस, करुणा और कल्याण की अधिष्ठात्री देवी हैं। उनकी आराधना हमें जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और लोककल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हमारी सनातन संस्कृति में देवी आराधना का विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। मां जगदंबा के प्रति अटूट आस्था हमारी समृद्ध धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सरगुजा अंचल की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएँ प्रदेश की गौरवशाली विरासत को समृद्ध बनाती हैं। यहां के देवी-देवताओं के प्रति जनमानस की श्रद्धा और आस्था हमारी सांस्कृतिक एकता तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करती है।

धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यक

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। हमारी आस्था के केंद्र न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। धार्मिक पर्यटन के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को नई पहचान मिलने के साथ ही क्षेत्र में रोजगार और आजीविका के अवसरों को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा मेरी यही प्रार्थना है कि छत्तीसगढ़ में विकास की गति निरंतर तेज हो, समाज के सभी वर्गों का कल्याण हो तथा प्रदेश खुशहाली, समृद्धि और सांस्कृतिक गौरव के नए शिखर को प्राप्त करे।

भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस कार्यालय का किया घेराव

■ जेएनयू में छात्राओं से कथित दुर्व्यवहार के आरोप पर अंबिकापुर में बवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जेएनयू में मणिपुर के कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल कोइजम पर छात्राओं के साथ कथित यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर सोमवार को अंबिकापुर में सियासत गरमा गई। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में महिला मोर्चा सरगुजा ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव करके नारेबाजी करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े के नेतृत्व में कार्यकर्ता गांधी चौक पर एकत्र हुए। यहां सभा के बाद रैली के शक्ल में स्वामी विवेकानंद चौक पहुंचे। महिला मोर्चा के द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय के घेराव कार्यक्रम को देखते हुए यहां काफी संख्या में महिला पुलिस अधिकारी और जवानों की तैनाती की गई थी। बैरीकेड लगाकर इस मार्ग को पूरी तरह से पुलिस के घेरे में रखा गया था। इन सबके बीच महिला मोर्चा भाजपा के पदाधिकारियों ने विरोध दर्ज कराया और मामले में निष्पक्ष जांच व उचित कार्रवाई की मांग की।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि, महिलाओं की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा दोष सिद्ध होने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। छात्राओं से जुड़े इस मामले में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए। महिला मोर्चा महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए हमेशा आवाज उठाता रहेगा। जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े ने कहा कि छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के आरोप अत्यंत गंभीर हैं। इस मामले में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा पर महिला मोर्चा चुप नहीं बैठेगा। सभा को जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं अरुणा सिंह, मधु चौदाहा, प्रिया सिंह, माया मिश्रा, शकुंतला पांडेय, रजनी बिंद, किरण सोनी, प्रियंका चौबे, सरस्वती यादव, शालिनी सिंह एवं रूपा गुप्ता ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मधुसूदन शुक्ला, जन्मेजय मिश्रा, मनोज गुप्ता, रूपेश दुबे, मनोज कंसारी, नीलम राजवाड़े, सावित्री जायसवाल, बुधमेत कुजूर, नेहा सोनवानी, अर्चना सिंह, रीना भारती, मीरा सिंह, अर्चना वर्मा, रीना रॉय, राखी यादव, सरोज सिंह, नीलम रॉय, निमत दास, सीमा कश्यप, आशा शुक्ला, जतीन परमार, निरंजन रॉय, मनोज सोनी, आयुष दुबे, सुधांशु चौबे, सविता शर्मा, शिरीष भगत, प्रभा, राधा, फूलकुमारी, रवि विश्वकर्मा, उज्जवल शर्मा, नवराज यादव, मयंक जायसवाल, संजीव वर्मा सहित भाजपा एवं महिला मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री अग्रसेन महाराज की 5150वीं जयंती पर नागपुर के ढोल की थाप पर झूमा अंबिकापुर

11 घोड़ों पर भगवान श्री अग्रसेन के पुत्र, झांकियों ने मोहा मन, महाआरती से हुआ समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। महाराजा श्री अग्रसेन की 5150वीं जयंती पर रविवार को अंबिकापुर पूरी तरह अग्रसेनमय हो गया। शहर में उत्साह, भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह 5 बजे प्रभात फेरी से दिन की शुरुआत हुई, 8.30 बजे हवन-पूजन हुआ और 11 बजे अग्रसेन भोज का आयोजन किया गया। शाम होते ही शहर की सड़कों पर भव्य शोभायात्रा निकली, जिसमें हजारों समाजजन शामिल हुए।

श्री अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल ने शोभायात्रा की अगुवाई की। शोभायात्रा के अग्रसेन चौक पहुंचने पर आकर्षक रोशनी के बीच महाआरती की गई, जिसमें पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। अध्यक्ष संजय मित्तल ने समाजजनों को जयंती की बधाई दी। शोभायात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण 11 घोड़ों पर सवार महाराज श्री अग्रसेन जी के पुत्रों की सवारी रही। पुरुष एक जैसे परिधान में और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में नजर आईं, जिनकी एकरूपता चर्चा का विषय रही। महाराष्ट्र के नागपुर से आए प्रसिद्ध 'शिवारंभ ढोल' दल की थाप पर पूरा शहर झूम उठा। ढोल-नगाड़ों की गूंज, आतिशबाजी और जयकारों से पूरा मार्ग गूंजता रहा। शोभायात्रा में अग्रसेन जी के जीवन पर आधारित जीवंत झांकी, अग्रसेन दरबार, गौशाला की झांकी, लाइव ऑर्केस्ट्रा और गौरेला नृत्य दल ने लोगों का मन मोह लिया। शहर के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर श्री अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल और शुभम अग्रवाल, सचिव संजय अग्रवाल, घनश्याम गर्ग, पवन अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनोज जैन, विनोद अग्रवाल, कैलाश गोयल, जनम अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, विजय बंसल, सचिन अग्रवाल, सुशील गोयल, चिराग गर्ग, अश्वनी लाल गर्ग, आयुष अग्रवाल और आशीष अग्रवाल, महिला सभा की अध्यक्ष मधु अग्रवाल, उपाध्यक्ष मधु गर्ग, सचिव ममता गर्ग, अंजू पोद्दार, मंजू अग्रवाल, प्रेमलता गोयल, नीलिमा अग्रवाल, सरिता सुल्तानिया, कविता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, शिवांगी अग्रवाल, स्तुति अग्रवाल, राधिका अग्रवाल, इशिका अग्रवाल, निकिता सिंघल, प्रिया अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल सहित युवा मंच के अध्यक्ष अतुल बंसल, शुभम अग्रवाल, आर्यु गर्ग, आदित्य अग्रवाल, निखिल गोयल, तनिष गर्ग, अंश केडिया, दीप अग्रवाल, यश मित्तल, ओम गर्ग, हर्ष गोयल और युवती मंच की अध्यक्ष शिखा अग्रवाल के साथ वैष्णवी अग्रवाल, प्रियांशी अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, वैशाली गोयल, नेहा गर्ग, आस्था अग्रवाल, युक्ति तायल और साक्षा गोयल सहित सैकड़ों समाजजन मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण, गर्भपात कराने के बाद साथ छोड़ा

भटगांव। सूरजपुर जिला के भटगांव थाना अंतर्गत रिश्ते में भाई के द्वारा शादी करने का झांसा देकर दैहिक शोषण और गर्भपात कराने के बाद छोड़ देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता (28 वर्ष) ने पुलिस को बताया है कि ओड़गी थाना क्षेत्र का आरोपी उसकी मौसी के जेठ का लड़का है और रिश्ते में भाई लगता है। पीड़िता के अनुसार 2016 में जब वह 18 साल की थी, तब 10 दिसंबर 2016 को आरोपी उसे केंवटाली जंगल के बांसबाड़ी ले गया और शादी का झांसा देकर पहली बार दुष्कर्म किया। इसके बाद 2017 जून से उसे अपने साथ रखकर लगातार दैहिक शोषण करते रहा। इस दौरान वह 5 माह की गर्भवती हो गई और 12 सितंबर 2026 को गर्भपात हो गया। गर्भपात के बाद आरोपी ने रखने से इन्कार कर दिया। पीड़िता ने परिवार परामर्श केंद्र सूरजपुर में काउंसलिंग भी कराई, फिर भी आरोपी ने शादी से मना कर दिया। पुलिस ने सीसीटीएनएस पोर्टल से प्राप्त अपराध पर आरोपी के खिलाफ धारा 69 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल लाई गई महिला और शिशु की मौत

अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में प्रसव के लिए लाई गई एक गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। मौत का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धंधापुर डुमरपारा निवासी भुनेश्वरी पति विष्णु (34 वर्ष) 9 माह की गर्भवती थी। 11 अक्टूबर की शाम महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। स्वजन उसे तत्काल रेवतपुर स्थित शासकीय अस्पताल ले गए। यहां स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। 12 अक्टूबर को अलसुबह महिला को लेकर वे मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद 3.40 बजे महिला और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों को मृत घोषित कर दिया। महिला और गर्भस्थ बच्चे की मौत से परिवार में मातम पसरा है। अस्पताल प्रबंधन से मिली सूचना पर पुलिस ने मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज में विज्ञान मॉडल और चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज अंबिकापुर के सभागार में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी एवं चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सिस्टर शांता जोसेफ के कुशल मार्गदर्शन में 12 अक्टूबर 2026 को संपन्न हुआ।

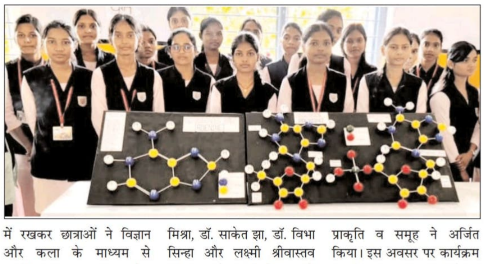

प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग, समसामयिक और सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली मॉडल और चित्र प्रस्तुत किए। स्वच्छ भारत, सपनों का भारत, डिजिटल इंडिया, नक्सलवाद का प्रभाव, महिला सशक्तिकरण, ए्प् का प्रभाव, वैज्ञानिक सोच और उसके अनुप्रयोग जैसे विषयों को केंद्र में रखकर छात्राओं ने विज्ञान और कला के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। चित्रकारी प्रतियोगिता का संचालन डॉ. नीना गुप्ता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का संचालन डॉ. प्रमोद यादव की देखरेख में हुआ। निर्णायक मंडल में सहायक प्राध्यापक डॉ. विनोद गर्ग, सुनील रवानी, आलोक चक्रवर्ती, डॉ. सीमा मिश्रा, डॉ. साकेत झा, डॉ. विभा सिन्हा और लक्ष्मी श्रीवास्तव शामिल रहे। प्रतियोगिता में चित्रकारी में प्रथम स्थान अनुभा तिर्की, द्वितीय स्थान ज्योति सिंह मरकाम और तृतीय स्थान अलीशा पैकरा ने प्राप्त किया। वहीं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में प्रथम स्थान अंजली पटेल व समूह, द्वितीय स्थान खुशबू बड़ा व समूह तथा तृतीय स्थान प्राकृति व समूह ने अर्जित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी कविता एक्का एवं नोडल अधिकारी एस.एस. अली सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। प्राचार्य ने विजेता छात्राओं को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक चेतना विकसित करते हैं।

चैतन्य देवियों की झांकी का शुभारंभ, श्रद्धालु 20 अक्टूबर तक कर सकते हैं दर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय अंबिकापुर में नवरात्रि के पावन अवसर पर चैतन्य देवियों की झांकी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आरती के साथ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो, विशिष्ट अतिथि एसडीओपी राकेश बघेल, उप निरीक्षक अभय तिवारी, वरिष्ठ समाजसेविका वंदना दत्ता, आर्ट ऑफ लिविंग से अजय तिवारी, नवा बिहान नशामुक्ति अभियान के संयोजक मंगल पाण्डेय, अमृत लाल प्रधान, शिल्पा पाण्डेय, हिना खान, संतोष विश्वकर्मा, निशा बहन एवं ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका विद्या दीदी उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा ब्रह्माकुमारी संस्था स्थानीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आध्यात्मिक ज्ञान से समाज के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। विद्या दीदी ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान मनुष्य के भीतर छिपे आसुरी संस्कारों और विकारों का नाश करता है।

हमें देवियों के दिव्य गुणों को जीवन में धारण कर परिवार को सुख-शांति से भरना चाहिए और जीवन को स्वर्ग समान बनाना चाहिए। समाजसेविका शिल्पा पाण्डेय ने झांकी को शांति और सकारात्मकता का अनुभव कराने वाला बताया, वहीं वंदना दत्ता ने देवी स्वरूप गुणों को अपनाने का संदेश दिया। वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय ने कहा कि आध्यात्म से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, इसलिए अवगुणों का नाश कर श्रेष्ठ संस्कार अपनाने चाहिए। कार्यक्रम में रेखा, अजय तिवारी एवं समूह द्वारा देवी भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। आयोजकों ने बताया कि चैतन्य देवियों की यह झांकी 20 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से रात 10 बजे तक शहरवासियों के दर्शन के लिए खुली रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा